घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 126- सोमवार 09- मार्च 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्र. 13/Surguja DN/ 2026-2028

भारत तीसरी बार टी-20 वर्ल्ड चैंपियन बना...

फाइनल में न्यूजीलैंड को 96 रन से हराया

नई दिल्ली,08 मार्च 2026। भारतीय क्रिकेट टीम ने टी-20 विश्व कप 2026 के फाइनल में न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम को 96 रन से हराते हुए अपना रिकॉर्ड तीसरा खिताब जीता। नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हुए खिताबी मुकाबले में मेजबान टीम ने 255/5 का स्कोर बनाया था। जवाब में कीवी टीम 19 ओवर में 159 रन बनाकर सिमट गई। इसके साथ ही भारत पहला ऐसा देश बना, जिसने लगातार 2 खिताब जीतने में सफलता हासिल की। भारत से संजू सैमसन (89) और अभिषेक शर्मा (52) ने जोरदार शुरुआत दिलाई। नंबर-3 पर खेलते हुए ईशान किशन ने भी अर्धशतक (54) लगाया, जबकि आखिरी ओवरों के दौरान शिवम दुबे ने 8 गेंदों में 26* रन बनाते हुए टीम को बड़े स्कोर तक पहुंचाया। जवाब में न्यूजीलैंड से फिन एलन (9), रचिन रविंद्र (1), ग्लेन फिलिप्स (5) और मार्क चैपमैन (3) दहाई का आंकड़ा भी नहीं छू सके। इस बीच साइफर्ट का अर्धशतक (52) भी जीत नहीं दिला सका। सैमसन ने अपने टी-20 अंतरराष्ट्रीय करियर का छठा और कीवी टीम के खिलाफ पहला अर्धशतक रहा 33 गेंदों में पूरा किया। वह 46 गेंदों में 5 चौके और 8 छक्कों की मदद से 89 रन बनाकर आउट हुए। सैमसन टी-20 विश्व कप के फाइनल में सबसे बड़ी पारी खेलने वाले बल्लेबाज बन गए हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू के अपमान पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बोले...

ममता को जनता सबक सिखाएगी,ये राष्ट्रपति का नहीं संविधान का अपमान,एक दिन अंहकार सब बर्बाद कर देता है : पीएम मोदी

नई दिल्ली,08 मार्च 2026। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में देश और नारी शक्ति राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अपमान के लिए टीएमसी को माफ नहीं करेगी,उन्हें जनता सबक सिखाएगी। पीएम नई दिल्ली में एक जनसभा में बोल रहे थे। उन्होंने आगे कहा कि पश्चिम बंगाल में जो हुआ वो राष्ट्रपति का नहीं संविधान का अपमान है। उन्होंने कहा कि अहंकार से भरा व्यक्ति,चाहे कितना भी ताकतवर क्यों न हो,आखिर में बर्बाद हो जाता है। दरअसल,शनिवार को पश्चिम बंगाल में एक कार्यक्रम की जगह बदले जाने पर राष्ट्रपति ने नाराजगी जताई थी। उन्होंने कहा कि नॉर्थ बंगाल दौरे पर न तो मुख्यमंत्री और न ही कोई मंत्री मुझे रिसीव करने आया। बीजेपी ने इसे प्रेसिडेंट का अपमान बताया था। इससे पहले रविवार को दिल्ली में पीएम ने 33500 करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और शिलान्यास किया। उन्होंने जनरल पूल रेजिडेंशियल अकोमोडेशन रीडेवलपमेंट प्लान के तहत 2,722 नए बने फ्लैट का उद्घाटन किया। इसके साथ दो नए मेट्रो कॉरिडोर का उद्घाटन और 3 कॉरिडोर का शिलान्यास किया।

बुराड़ी समेत कई इलाकों को फायदा होगा : इन कॉरिडोर से दिल्ली के कई इलाकों को फायदा होगा,जिनमें बुराड़ी, जगतपुर-वजीराबाद,खजूरी खास, भजनपुरा, यमुना विहार, मधुबन चौक, हैदरपुर बादली मोड़, भलस्वा और मजलिस पार्क शामिल हैं। मोदी ने दिल्ली मेट्रो के तीन नए कॉरिडोर की नींव रखी, जो लगभग 16.1 किमी लंबे रूट को कवर करेंगे। ये कॉरिडोर राजधानी में कई ज़रूरी जगहों को सीधी कनेक्टिविटी देंगे और नोएडा, साउथ दिल्ली और एयरपोर्ट के बीच यात्रा करने वालों के लिए कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएंगे।

पिंक लाइन बनी देश की पहली रिंग मेट्रो

मजलिस पार्क-मौजपुर-बाबरपुर कॉरिडोर में आठ एलिवेटेड स्टेशन हैं और यह पहले से चल रही मजलिस पार्क-शिव विहार पिंक लाइन का हिस्सा है। इस हिस्से के जुड़ने से, पिंक लाइन करीब 71.56किलोमीटर तक बढ़ गई है, जिससे यह भारत की पहली पूरी तरह से चल रही 'रिंग मेट्रो' बन गई है। मजलिस पार्क-मौजपुर-बाबरपुर कॉरिडोर में यमुना पर एक नया पुल और एक डबल-डेकर वायडक्ट भी है, जिस पर मेट्रो लाइन और रोड फ्लाईओवर दोनों हैं।

मैजेंटा लाइन की कुल लंबाई 49 किलोमीटर हो जाएगी : दीपाली चौक से मजलिस पार्क तक का कॉरिडोर मैजेंटा लाइन का एक्सटेंशन है,और इसके शुरू होने के साथ ही इस लाइन की कुल लंबाई लगभग 49 किलोमीटर हो जाएगी। इससे कई रेजिडेंशियल और कमर्शियल इलाके मेट्रो नेटवर्क के साथ बेहतर तरीके से जुड़ जाएंगे। भारत सरकार दिल्ली में सात पुरानी सरकारी हाउसिंग कॉलोनियों को एक नए सेल्फ-फाइनेंसिंग मॉडल के जरिए रीडेवलप कर रही है, जिसके लिए सरकारी खजाने से किसी फंडिंग की जरूरत नहीं है। यह प्रोजेक्ट सरोजिनी नगर, नेताजी नगर, नौरोजी नगर, कस्तूरबा नगर, त्यागराज नगर,श्रीनिवासपुरी और मोहम्मदपुर में फैला है,जो लगभग 537 एकड़ में फैला हुआ है। इन कॉलोनियों में मौजूदा कई क्वार्टर पुराने और असुरक्षित हो गए थे। लगभग 40% रहने लायक नहीं थे। रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट का मकसद केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए 20,000 से ज्यादा घरों की कमी को दूर करना है।

2 मेट्रो कॉरिडोर का उद्घाटन,3 का शिलान्यास

प्रधानमंत्री ने रविवार को दिल्ली मेट्रो के दो नए कॉरिडोर का उद्घाटन किया और तीन और मेट्रो लाइनों की नींव रखी,जिससे राष्ट्रीय राजधानी में कई ज़रूरी जगहों को सीधी कनेक्टिविटी मिलेगी। उन्होंने केंद्र सरकार के जनरल पूल रेजिडेंशियल अकोमोडेशन रीडेवलपमेंट प्लान के तहत 15,200 करोड़ रुपये के प्रोजेक्ट्स का उद्घाटन और नींव भी रखी। सभी प्रोजेक्ट्स की कुल लागत लगभग 33,500 करोड़ रुपये है। प्रधानमंत्री ने जिन दो नए दिल्ली मेट्रो कॉरिडोर का उद्घाटन किया, वे लगभग 12.3 किमी का मजलिस पार्क–मौजपुर बाबरपुर (पिंक लाइन) कॉरिडोर और लगभग 9.9 किमी का दीपाली चौक–मजलिस पार्क (मैजेंटा लाइन) कॉरिडोर थे।

रंग का गुब्बारा विवाद में मर्डर..

आरोपी के घर बुलडोजर एक्शन अब तक 8 आरोपी पकड़े गए...

नई दिल्ली,08 मार्च 2026। दिल्ली में नगर निगम प्रशासन ने रविवार को मर्डर के आरोपी निमामुद्दीन का घर का अतिक्रमण वाला हिस्सा बुलडोजर से ढहा दिया। यह एक्शन उत्तम नगर इलाके की जेजे कॉलोनी में आरोपी निजामुद्दीन के खिलाफ लिया गया। इस दौरान भारी पुलिस मौके पर तैनात रही। दरअसल 4 मार्च को होली पर रंग का गुब्बारा फेंकने पर हुए विवाद में निमामुद्दीन समेत कई लोगों ने तरुण (26) नाम के युवक की हत्या की थी। पुलिस ने इस मामले में 7 लोगों को गिरफ्तार किया है। एक आरोपी को भी हिरासत में लिया गया है। आरोपियों के खिलाफ हत्या और स्ष्ट/स्झ्र एक्ट में केस दर्ज किया गया है। घटना के बाद बजरंग दल और विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने 6 मार्च को उत्तम नगर ईस्ट मेट्रो स्टेशन के पास प्रदर्शन किया था। भीड़ ने निजामुद्दीन के घर के बाहर मौजूद वाहनों में आग लगाई थी। दरअसल, 4 मार्च को होली वाले दिन उत्तम नगर की जेजे कॉलोनी में तरुण सिंह (26) के घर की 11 साल की बच्ची छत से नीचे रंग के गुब्बारे फेंक रही थी। उसने एक गुब्बारा अपने ताऊ पर फेंका। पानी के छींटे रास्ते से गुजर रही मुस्लिम महिला पर पड़े। तरुण के बड़े भाई अरुण के मुताबिक महिला इस पर नाराज हुई। उसका तरुण के परिवार से विवाद हुआ। तरुण के परिवार ने महिला से माफी मांगी, लेकिन महिला उन्हें अपशब्द कहती रही। इसके बाद महिला वहां से चली गई। अरुण ने बताया कि कुछ समय बाद महिला के परिवार के 20-25 लोग क्रिकेट बेट, डंडे और लोहे की रॉड लेकर आए। उन लोगों ने हमला कर दिया। इस समय तरुण दोस्तों के साथ होली खेलने गया था,लेकिन वह भी लौट आया। कुछ लोगों ने तरुण पर हमला कर दिया। आरोपियों ने तरुण को जमकर पीटा,इससे भी मन नहीं भरा तो बड़ा सा पत्थर लेकर तरुण की छाती पर मार दिया। तरुण के पिता और परिवार के अन्य लोगों से भी मारपीट की गई। बाद में गंभीर घायल तरुण को अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

सीएम ममता के धरने का तीसरा दिन

बोलीं...बीजेपी पर एक देश,एक नेता-एक पार्टी का पागलपन सवार

कोलकाता,08 मार्च 2026। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का धरना रविवार को तीसरे दिन भी जारी है। टीएमसी सुप्रीमो ने चुनाव आयोग को वैनिश कमीशन कहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी 'इलेक्टोरल रोल से सही वोटर्स के नाम हटाने के लिए वैनिश कमीशन का गलत इस्तेमाल' कर रही है। उनका यह कमेंट ऐसे दिन आया है जब चुनाव आयोग की पूरी बेंच राज्य विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव की तैयारियों का रिव्यू करने के लिए कोलकाता आने वाली है। ममता ने कहा...एक देश, एक नेता,एक पार्टी के पागलपन में,बीजेपी ने जन-विरोधी इच्छाओं को पूरा करने के लिए हर लोकतांत्रिक संस्था और संवैधानिक पद को सिस्टमैटिक तरीके से हथियार बना लिया है। बनर्जी ने दावा किया कि बीजेपी का आखिरी मकसद बाबासाहेब अंबेडकर के बनाए गए संविधान को अपने पार्टी मैनिफेस्टो से बदलना है। पार्टी की महिला कार्यकर्ताओं ने धरने के दौरान पीएम मोदी, राष्ट्रपति मुर्मू और वरिष्ठ भाजपा नेता आडवाणी की तस्वीर वाला एक बैनर दिखाया। तस्वीर में पीएम और लाल कृष्ण आडवाणी बैठे दिख रहे हैं और राष्ट्रपति खड़ी हुई हैं। तसवीर 2024 की है जिसमें राष्ट्रपति आडवाणी को भारत रत्न अवॉर्ड से सम्मानित कर रहीहैं। ममता ने राज्य में स्पेशल इंटेसिव रिविजिन में वोटर लिस्ट से नाम हटाने के विरोध में 6 मार्च दोपहर 2 बजे से कोलकाता के एस्प्लेनेड मेट्रो चैनल पर धरना शुरू किया है। सालों से उन्होंने सेंट्रल एजेंसियों, नेशनल कमीशन,एक गुलाम गोदी मीडिया और ज्यूडिशियरी के एक आज्ञाकारी हिस्से को बंगाल के खिलाफ इस्तेमाल किया है।

नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार जेडीयू में हुए शामिल,संजय झा ने दिलाई पार्टी की सदस्यता

पटना,08 मार्च 2026। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार ने रविवार को औपचारिक रूप से जनता दल (यूनाइटेड)(जदयू) की सदस्यता ग्रहण कर ली। पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने उन्हें सदस्यता दिलाई। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह (ललन सिंह) और जदयू के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा समेत पार्टी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। हालांकि, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार इस कार्यक्रम में शामिल नहीं हुए। जदयू में शामिल होने के बाद निशांत कुमार ने कहा, 'मैं सभी का धन्यवाद करता हूं। आप सभी ने मुझ पर जो भरोसा जताया है, उस पर खरा उतरने की कोशिश करूंगा। बिहार और देश के लिए मेरे पिता ने पिछले 20 वर्षों में जो काम किया है, उस पर मुझे गर्व है। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के राज्यसभा उम्मीदवार राम नाथ ठाकुर ने कहा कि निशांत कुमार का पार्टी में आना स्वागत योग्य है। उन्होंने कहा कि जदयू के कार्यकर्ताओं और आम लोगों की इच्छा थी कि निशांत कुमार पार्टी में आएं और जनता की समस्याएं सुनें। वहीं बिहार सरकार के पूर्व मंत्री और जदयू विधायक रत्नेश सदा ने कहा कि निशांत कुमार बिहार का भविष्य हैं और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अधूरे कार्यों को पूरा करने की दिशा में काम करेंगे। गौरतलब है कि नीतीश कुमार लंबे समय से अपने परिवार को राजनीति से दूर रखते आए हैं। ऐसे में उनके बेटे के राजनीति में प्रवेश को लेकर परिवारवाद के आरोप भी लग सकते हैं।

हालांकि जदयू नेताओं का कहना है कि यह निर्णय नीतीश कुमार का व्यक्तिगत फैसला नहीं बल्कि पार्टी नेताओं, कार्यकर्ताओं और जनता की मांग का परिणाम है। उल्लेखनीय है कि पिछले दो दिनों से निशांत कुमार लगातार पार्टी विधायकों से मुलाकात कर रहे थे। उन्होंने मुख्यमंत्री आवास पर जदयू के वरिष्ठ नेताओं और विधायकों से बातचीत की। इसके अलावा संजय झा के आवास पर भी कुछ युवा विधायकों के साथ बैठक की। पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा और प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा की देखरेख में निशांत कुमार की राजनीतिक प्रशिक्षण प्रक्रिया भी शुरू हो गई है। राजनीतिक गलियारों में यह चर्चा भी तेज है कि आने वाले समय में उन्हें जदयू में बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है और पार्टी में नए नेतृत्व की शुरुआत हो सकती है।

मध्य प्रदेश के किसानों के साथ हो रहा भेदभाव,बासमती को जीआई टैग न मिलने पर करेंगे अनशन : दिग्विजय सिंह

भोपाल,08 मार्च 2026। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने केन्द्र सरकार पर प्रदेश के किसानों के साथ भेदभाव का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा है कि यदि बासमती को जल्द जीआई टैग नहीं दिया गया तो वे अनशन का रास्ता अपनाएंगे। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह रविवार को भोपाल में अपने सरकारी आवास पर पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि रंगपंचमी के दिन सामान्य तौर पर पत्रकार वार्ता होती नहीं, लेकिन आज आपको इसलिए बुलाया क्योंकि मध्य प्रदेश के किसानों के साथ लंबे समय से भेदभाव होता रहा है। मैंने केंद्र सरकार से अनुरोध किया है कि प्रदेश में उगाए जाने वाले धान को एपीडा जीआई टैग नहीं दे रहा है। यदि केंद्र सरकार मप्र की बासमती को जीआई टैग नहीं दिलवा पाती है तो वे अनशन करेंगे। दिग्विजय सिंह के अनुसार प्रदेश में एक लाख से अधिक किसान बासमती धान की खेती करते हैं। उन्होंने कहा कि आज अमेरिका सहित कई देशों में बासमती चावल करीब 300 रुपये प्रति किलो के भाव से बिक रहा है, जबकि मध्य प्रदेश के किसानों को इसके लिए सिर्फ 35 से 40 रुपये प्रति किलो ही मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान का क्षेत्र भी बासमती उत्पादक किसानों का बड़ा इलाका है, लेकिन इसके बावजूद किसानों को उचित लाभ नहीं मिल पा रहा है। इस संबंध में उन्होंने प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर जीआई टैग देने की मांग की है। उन्होंने कहा कि यह अत्यंत आश्चर्यजनक है कि इस विषय पर तीन माह पूर्व पत्र लिखने के बाद भी केन्द्र और राज्य सरकार ने किसानों के हित में कोई ठोस कदम नहीं उठाया। उन्होंने बताया कि संसद के शीतकालीन सत्र में भी उन्होंने इस मुद्दे को उठाया था और मध्य प्रदेश के बासमती उत्पादक किसानों को जीआई टैग नहीं मिलने से हो रही।

संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण आज से

पहले ही दिन लोकसभा अध्यक्ष के खिलाफ पेश होगा अविश्वास प्रस्ताव

नई दिल्ली,08 मार्च 2026। संसद के बजट सत्र का दूसरा चरण सोमवार 9 मार्च से शुरू होकर 2 अप्रैल तक चलेगा। बजट सत्र के दूसरे चरण की शुरुआत के साथ कल ही लोकसभा में अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ विपक्ष द्वारा लाया गया अविश्वास प्रस्ताव (नोटिस) पेश किया जाएगा। इस प्रस्ताव को सदन में विपक्षी सांसद मोहम्मद जावेद, के. सुरेश और डॉ. मल्लू रवि पेश करेंगे। इस बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने 9 और 10 मार्च के लिए व्हिप जारी किया है। वहीं, कांग्रेस ने सभी सांसदों को 9-11 मार्च तक सदन में उपस्थित रहने के लिए व्हिप जारी किया है। पिछले महीने बजट सत्र के पहले चरण के दौरान विपक्ष ने लोकसभा के महासचिव को अविश्वास प्रस्ताव प्रस्तुत किया था, जिसमें लोकसभा अध्यक्ष पर पक्षपातपूर्ण तरीके से कार्य करने का आरोप लगाते हुए उन्हें हटाने की मांग की गई थी। इस प्रस्ताव पर कांग्रेस, समाजवादी पार्टी, डीएमके, वामपंथी दलों और अन्य दलों के सदस्यों सहित 118 सांसदों ने हस्ताक्षर किए थे। चर्चा के दौरान ओम बिरला अध्यक्षीय आसन पर नहीं बल्कि सदन में सत्तापक्ष के सदस्यों के साथ मौजूद रहकर अपने ऊपर लगाए गए आरोपों का जवाब दे सकेंगे। सदन की कार्यवाही उपाध्यक्ष या पैनल ऑफ चेयरपर्सन में शामिल सदस्य संचालित करते हैं। फिलहाल लोकसभा में उपाध्यक्ष का पद खाली है, ऐसे में पैनल में शामिल सांसद ही कार्यवाही का संचालन करेंगे। इस बीच तृणमूल कांग्रेस ने भी विपक्ष के प्रस्ताव को समर्थन देने की घोषणा की है। तृणमूल कांग्रेस के 29 सांसद हैं। नियमों के अनुसार स्पीकर को हटाने का प्रस्ताव लोकसभा में साधारण बहुमत से पारित होता है। मौजूदा लोकसभा में एनडीए के पास करीब 290 से अधिक सांसदों का समर्थन है।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर मानवता शर्मशार,बैग में मिली नवजात बच्ची

वसई,08 मार्च 2026। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर देश-दुनिया में महिलाओं के सम्मान और सशक्तिकरण को लेकर तमाम कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी बीच, महाराष्ट्र के वसई से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। वसई पूर्व के वसंतनगरी सिग्नल इलाके में करीब 15 से 20 दिन की एक नवजात बच्ची को बैग में डालकर सड़क किनारे छोड़ दिया गया। हालांकि, समय रहते पुलिस की तत्परता और एक महिला पुलिसकर्मी की सतर्कता से बच्ची की जान बचा ली गई। जानकारी के अनुसार, मानिकपुर पुलिस स्टेशन में तैनात महिला पुलिस सिपाही पल्लवी संजय नरवाडे 7 मार्च की रात 9 बजे से 8 मार्च की सुबह 9 बजे तक सीसीटीएनएस ड्यूटी पर थीं। इसी दौरान 8 मार्च की सुबह करीब 7:50 बजे ड्यूटी अधिकारी सागर साबले ने उन्हें सूचना दी कि वसई पूर्व के वसंतनगरी सिग्नल के पास एक बैग में नवजात शिशु मिला है और तुरंत मौके पर पहुंचकर सहायता करने के निर्देश दिए। सूचना मिलते ही पल्लवी नरवाडे एक अन्य पुलिसकर्मी के साथ डायल-112 के सरकारी वाहन से घटनास्थल पर पहुंचीं।

वास्तविक विकास के लिए महिलाओं की समान भागीदारी जरूरी : राष्ट्रपति मुर्मु

नई दिल्ली,08 मार्च 2026। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि सही अर्थों में विकास हासिल करने के लिए देश की लगभग आधी आबादी का प्रतिनिधित्व करने वाली महिलाओं की समान भागीदारी सुनिश्चित करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए महिलाओं को बड़े सपने देखने के लिए प्रेरित करने के साथ-साथ उन्हें हर कदम पर समर्थन देना भी जरूरी है। राष्ट्रपति रविवार को यहां अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की ओर से आयोजित राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं की उपलब्धियों और योगदान का सम्मान करना तथा लैंगिक समानता, सुरक्षा, सम्मान और महिला सशक्तीकरण के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता को दोहराना था। राष्ट्रपति ने कहा कि आज महिलाएं शिक्षा, प्रशासन, न्यायपालिका, सेना, चिकित्सा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, कला और उद्यमिता जैसे अनेक क्षेत्रों में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं। और पंचायतों में ग्रामीण विकास का नेतृत्व भी कर रही हैं। कई महिलाएं उद्योग, स्टार्टअप और कॉरपोरेट जगत में भी अपनी क्षमता और योग्यता से नेतृत्व प्रदान कर रही हैं। खेल जगत में भी बेटियां उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे उदाहरण यह विश्वास पैदा करते हैं कि अवसर और समर्थन मिलने पर महिलाएं हर क्षेत्र में उत्कृष्टता हासिल कर सकती हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि भारत तेजी से 'वूमन-लेड डेवलपमेंट' की दिशा में आगे बढ़ रहा है। पिछले एक दशक में महिलाओं के सामने आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए मजबूत आधार तैयार किया गया है। उन्होंने बताया कि देश में स्कूली शिक्षा में लैंगिक समानता हासिल कर ली गई है और उच्च शिक्षा में सकल नामांकन अनुपात के आधार पर छात्राओं की संख्या अधिक है। विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (एसटीईएम) शिक्षा में भी महिलाओं की भागीदारी तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट 2026-27 में प्रत्येक जिले में महिला छात्रावास स्थापित करने का प्रावधान किया गया है, जिससे एसटीईएम क्षेत्र की छात्राओं को अपनी पढ़ाई जारी रखने में सहायता मिलेगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि भारत की बेटियां ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था में नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए तैयार हो रही हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि महिलाएं रोजगार देने वाली उद्यमी के रूप में भी उभर रही हैं। स्टार्ट-अप इंडिया योजना के तहत सहायता प्राप्त करने वाले आधे से अधिक स्टार्टअप में कम से कम एक महिला निदेशक है। उन्होंने बताया कि सरकारी ई-मार्केटप्लेस (जेम) पर वर्तमान में दो लाख से अधिक महिला स्वामित्व वाले सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम सक्रिय हैं।

CMYK

संपादकीय

नीतीश का अप्रत्याशित कदम

ऐसा लगता है कि बिहार में पहले से लिखी स्क्रिप्ट को अमली-जामा पहनाने का उपक्रम शुरू हो गया है। जिसे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का राज्यसभा के लिये नामांकन के रूप में देखा जा रहा है। इस घटनाक्रम का महत्व कितना अधिक है,यह नामांकन के मौके पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के पटना पहुंचने से पता चलता है। बहरहाल, यह तय हो गया है कि बिहार की राजनीति में दो दशकों के बाद राज्य की सत्ता में एक बड़ा परिवर्तन देखने को मिलेगा। जनता दल यूनाइटेड के सुप्रीमो नीतीश कुमार, जिन्होंने चार माह से भी कम समय पहले रिकॉर्ड दसवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी, लेकिन अब अप्रत्याशित रूप से इस प्रतिष्ठित कुर्सी को छोड़ने को तैयार हैं। अब 75 वर्षीय नीतीश कुमार आगामी राज्यसभा चुनाव लड़ने जा रहे हैं। बहरहाल,विधानसभा में सत्तारूढ़ गठबंधन के लिए पर्याप्त बहुमत के कारण उनकी जीत निश्चित मानी जा रही है। निष्कर्ष यह भी है कि राज्यसभा चुनाव में सफल होने के बाद उनका मुख्यमंत्री के रूप में दो दशक पुराना सफर समाप्त हो जाएगा। इसमें कोई दो राय नहीं कि राज्य में उनका अगला उत्तराधिकारी भाजपा से ही आएगा। उल्लेखनीय है कि नवंबर 2025 में हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा राज्य में सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। भाजपा ने जो अच्छा प्रदर्शन किया था, उसके चलते ही नीतीश को फिर से सत्ता में बने रहने में मदद मिली थी। लेकिन तभी राजनीतिक पंडित कयास लगा रहे थे कि कालांतर उनको पद छोड़ना ही होगा,अब चाहे यह स्वेच्छा से हो या मजबूरी में। निस्संदेह,उत्तर भारत में बिहार एकमात्र ऐसा हिंदी भाषी राज्य है जहां अब तक भाजपा का कोई मुख्यमंत्री नहीं रहा है। वहीं दूसरी ओर अटकलें लगायी जा रही हैं कि नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार,जो सक्रिय राजनीति में अभी नये हैं, नई सरकार में उप मुख्यमंत्री बन सकते हैं।

बहुत संभव है बिहार में भाजपा की महत्वाकांक्षा को देखते हुए जेडीयू अपनी पार्टी का जनाधार बनाये रखने के लिये पार्टी के लिये उपमुख्यमंत्री पद चाह रही हो। हो सकता है कि सत्ता में अचानक आने वाले इस बड़े बदलाव को लेकर कुछ जेडीयू नेताओं में असंतोष देखने में आए। अनुभवी व उम्रदराज नीतीश कुमार के सामने भी चुनौती है कि कैसे अपने दल के विधायकों को एकजुट रखा जाए। साथ ही यह सुनिश्चित करना कि उनकी पार्टी का जनाधार प्रभावित न हो। वहीं दूसरी ओर नीतीश कुमार के राज्यसभा में जाने की स्थिति में लोक जनशक्ति पार्टी के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान को राज्य की राजनीति में अपनी पैठ मजबूत बनाने में मदद मिलेगी। यह घटनाक्रम मुख्य विपक्षी दल राष्ट्रीय जनता दल के लिये महत्वपूर्ण होगा क्योंकि वह सत्ताधारी गठबंधन की कमजोरियों का फायदा उठाने की कोशिशें तेज करेगा। वहीं दूसरी ओर सोशल मीडिया पोस्ट में नीतीश कुमार ने दो दशक की पारी में सहयोग के लिये बिहार की जनता का आभार जताया है तथा अपना दायित्व निभाने की बात कही है। साथ ही राज्यसभा में जाने की तार्किकता का भी जिक्र किया है और विकसित बिहार के संकल्प को फिर से दोहराया है। निस्संदेह,वर्ष 2005 से अब तक, बीच के कुछ महीनों को छोड़कर, उनका सत्ता में बने रहना अभूतपूर्व रहा है। किसी भी गठबंधन की सरकार रही हो, नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री बने रहे। यही वजह है कि जेडीयू में कार्यकर्ताओं का एक वर्ग उनके राज्यसभा में जाने को लेकर निराश है। बहरहाल,अब तक विधान परिषद,बिहार विधानसभा और लोकसभा का सदस्य रहने के बाद,वे राज्यसभा के भी सदस्य बन जाएंगे। वहीं राज्य की विपक्षी पार्टी कांग्रेस बिहार की सत्ता में होने वाले बदलाव को जनता के साथ छल बता रही है। इसे जनादेश के विरुद्ध कदम बताया जा रहा है। वहीं आरजेडी की तरफ से कहा जा रहा है कि इस बड़े राजनीतिक घटनाक्रम से बिहार की जनता हतप्रभ है।

नारी सम्मान के पीछे छिपा दिखावे का कारोबार

नारी सम्मान का उद्देश्य महिलाओं को समाज में उनकी वास्तविक भूमिका और योगदान के लिए पहचान देना होना चाहिए। लेकिन जब सम्मान केवल फोटो, प्रमाणपत्र और सोशल मीडिया पोस्ट तक सीमित रह जाए,तो वह सम्मान नहीं बल्कि सम्मान का बाज़ार बन जाता है। महिलाओं को ट्रॉफियों से ज्यादा जरूरत है समान अवसर,सुरक्षा,शिक्षा और सम्मानजनक जीवन की। उन्हें ऐसे समाज की जरूरत है जहाँ उनकी मेहनत को मंच की चमक के बिना भी पहचाना जाए...

डॉ. प्रियंका सौरभ

समाज में सम्मान का अर्थ कभी बहुत गहरा हुआ करता था। किसी को सम्मानित करना केवल एक औपचारिक कार्यक्रम नहीं,बल्कि उसके संघर्ष, श्रम और योगदान को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने का एक नैतिक दायित्व माना जाता था। सम्मान का अर्थ था समाज की ओर से यह स्वीकार करना कि किसी व्यक्ति ने अपने जीवन से दूसरों के लिए रास्ता बनाया है। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में एक अजीब प्रवृत्ति तेजी से उभरी है– 'नारी सम्मान' के नाम पर पुरस्कारों का बाज़ार। आज ऐसा लगता है मानो हर संस्था, हर मंच और हर संगठन 'नारी शक्ति सम्मान ','वुमन आइकन अवॉर्ड','वुमन लीडरशिप अवॉर्ड','ग्लोबल वुमन एक्सीलेंस अवॉर्ड' जैसे भव्य नामों से पुरस्कार बाँटने की होड़ में लगा है। सोशल मीडिया खोलिए तो हर दूसरे दिन किसी न किसी महिला को 'अंतरराष्ट्रीय महिला सम्मान' या 'राष्ट्रीय महिला रत्न' से सम्मानित किए जाने की तस्वीरें दिखाई देती हैं। मंच पर मुस्कुराते चेहरे, हाथों में चमकती ट्रॉफियाँ,और पीछे बड़े-बड़े बैनर–सब कुछ देखने में बेहद आकर्षक लगता है। लेकिन इस चमकदार तस्वीर के पीछे कई ऐसे सवाल छिपे हैं जिन्हें अक्सर पूछने से बचा लिया जाता है। सवाल यह नहीं कि महिलाओं को सम्मान क्यों दिया जा रहा है; सवाल यह है कि क्या ये सम्मान सचमुच सम्मान हैं,या केवल दिखावे और प्रचार का साधन बनते जा रहे हैं? दरअसल आज 'नारी सशक्तिकरण' एक ऐसा शब्द बन गया है जिसका प्रयोग जितना ज्यादा होता है,उसका वास्तविक अर्थ उतना ही कमजोर होता जाता है। मंचों पर बड़ी-बड़ी बातें होती हैं, भाषणों में महिलाओं की शक्ति और क्षमता का गुणगान किया जाता है,लंबी-लंबी सूची में पुरस्कार बाँटे जाते हैं,फोटो खिंचते हैं, सोशल मीडिया पोस्ट बनते हैं और अगले दिन सब कुछ सामान्य हो जाता है। इस पूरे क्रम में अक्सर वह महिला गायब रहती है जिसके जीवन में सशक्तिकरण की सबसे ज्यादा जरूरत है। भारतीय समाज में सम्मान का अर्थ केवल ट्रॉफी या प्रमाण-पत्र नहीं था। किसी को सम्मानित करना उस व्यक्ति के सामाजिक योगदान को स्वीकार करना था। यह एक तरह से समाज की ओर से कहा गया धन्यवाद होता था–कि आपने अपने जीवन से दूसरों के लिए रास्ता बनाया। लेकिन जब सम्मान का उद्देश्य बदलकर प्रचार, नेटवर्किंग और व्यक्तिगत ब्रांडिंग बन जाए, तो उसका मूल्य भी धीरे-धीरे कम हो जाता है। आज कई पुरस्कार समारोह ऐसे होते हैं जिनमें वास्तविक चयन प्रक्रिया अस्पष्ट होती है। कई बार प्रतिभागियों को स्वयं नामांकन करना पड़ता है, कुछ जगहों पर नामांकन के साथ शुल्क भी लिया जाता है, और अंत में एक भव्य समारोह में लगभग सभी को सम्मानित कर दिया जाता है। ऐसे आयोजनों में सम्मान की गरिमा से ज्यादा महत्व मंच की सजावट, कैमरों की फ्लैश और सोशल मीडिया पोस्ट को दिया जाता है। सोशल मीडिया के दौर ने इस प्रवृत्ति को और तेज कर दिया है। आज सम्मान केवल एक प्रमाण-पत्र नहीं, बल्कि डिजिटल पहचान का हिस्सा बन गया है। किसी को भी कोई पुरस्कार मिलते ही उसकी तस्वीरें फेसबुक, इंस्टाग्राम और व्हाट्सऐप पर साझा की जाती हैं। कैप्शन में लिखा जाता है– 'मुझे अंतरराष्ट्रीय महिला सम्मान प्राप्त हुआ।' इन पोस्टों को देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि मानो सम्मान प्राप्त करना ही सशक्तिकरण का अंतिम लक्ष्य हो। धीरे-धीरे यह स्थिति बन जाती है कि सम्मान पाने की होड़ असली काम से ज्यादा महत्वपूर्ण हो जाती है। यह प्रवृत्ति केवल व्यक्तिगत स्तर पर ही नहीं, बल्कि संस्थागत स्तर पर भी दिखाई देती है। कई संगठन सम्मान समारोहों को अपने प्रचार का साधन बना लेते हैं। वे बड़ी-बड़ी उपाधियाँ देते हैं,मंच पर भव्य आयोजन करते हैं और फिर उस कार्यक्रम का उपयोग अपने संगठन की पहचान बढ़ाने के लिए करते हैं। कभी-कभी तो यह स्थिति भी देखने को मिलती है कि एक ही व्यक्ति कुछ महीनों के भीतर कई अलग-अलग संस्थाओं से सम्मानित हो जाता है।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि अगर इतने पुरस्कार दिए जा रहे हैं तो क्या वास्तव में समाज की मेहनती और संघर्षशील महिलाएँ सामने आ रही हैं? ग्रामीण भारत में लाखों महिलाएँ हैं जो अपने परिवार, समाज और समुदाय के लिए अद्भुत काम कर रही हैं। वे स्वयं सहायता समूह चला रही हैं, गाँवों में शिक्षा का प्रचार कर रही हैं, पर्यावरण संरक्षण में योगदान दे रही हैं, या घरेलू हिंसा और सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ संघर्ष कर रही हैं। कई महिलाएँ सीमित संसाधनों के बावजूद अपने बच्चों को शिक्षित करने के लिए अथक मेहनत कर रही हैं। कई महिलाएँ समाज की बंदिशों को तोड़कर अपने पैरों पर खड़ी हो रही हैं। लेकिन इन महिलाओं के पास न तो बड़े मंचों तक पहुँच होती है और न ही प्रचार का साधन। इसलिए उनका काम अक्सर गुमनाम रह जाता है। वे सम्मान की सूची में शायद ही कभी दिखाई देती हैं। इसके विपरीत, कुछ लोग बार-बार सम्मानित होते रहते हैं। कभी किसी संस्था से 'महिला शक्ति सम्मान',कभी किसी संगठन से 'महिला प्रेरणा अवॉर्ड ',तो कभी किसी मंच से 'राष्ट्रीय महिला रत्न'। यह स्थिति सम्मान की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगा देती है। आज यह कहना गलत नहीं होगा कि कुछ जगहों पर 'अवार्ड इंडस्ट्री' विकसित हो चुकी है। इस उद्योग का एक तय ढाँचा होता है। पहले एक आकर्षक नाम से पुरस्कार की घोषणा की जाती है। फिर नामांकन आमंत्रित किए जाते हैं। इसके बाद चयन समिति का गठन होता है,जिसकी प्रक्रिया अक्सर पारदर्शी नहीं होती। अंत में किसी बड़े होटल या सभागार में समारोह आयोजित किया जाता है, जहाँ दर्जनों लोगों को सम्मानित किया जाता है। कई बार इन आयोजनों में वास्तविक उपलब्धियों से ज्यादा महत्व संपर्क, पहचान और भुगतान को मिल जाता है। कुछ जगहों पर नामांकन या पंजीकरण शुल्क भी लिया जाता है। जब सम्मान भी एक उत्पाद की तरह बिकने लगे,तो उसकी नैतिकता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। महिलाओं का सशक्तिकरण केवल पुरस्कारों से नहीं होगा। असली सशक्तिकरण तब होगा जब समाज महिलाओं को समान अवसर देगा। आज भी भारत में लाखों लड़कियाँ शिक्षा से वंचित हैं। कई महिलाएँ आर्थिक रूप से निर्भर हैं। घरेलू हिंसा, लैंगिक भेदभाव और सामाजिक दबाव जैसी समस्याएँ आज भी मौजूद हैं।

अगर इन समस्याओं को दूर किए बिना केवल सम्मान बाँटे जाते रहेंगे,तो यह सशक्तिकरण का समाधान नहीं, बल्कि समस्या का सौंदर्यीकरण होगा। सम्मान तब सार्थक होता है जब वह संघर्ष की पहचान बने, न कि केवल मंच की सजावट। अगर सम्मान प्रेरणा बनता है, तो वह समाज को आगे बढ़ाता है। लेकिन अगर वह केवल प्रतिष्ठा और प्रचार का साधन बन जाए, तो वह धीरे-धीरे अपना अर्थ खो देता है। यह जिम्मेदारी केवल संस्थाओं की नहीं, बल्कि समाज की भी है। हमें यह समझना होगा कि सम्मान का मूल्य तभी है जब वह ईमानदारी और पारदर्शिता से दिया जाए। हमें यह भी देखना होगा कि जिन लोगों को सम्मान दिया जा रहा है, उनका काम वास्तव में समाज को किस तरह प्रभावित कर रहा है। अगर हम केवल चमक-दमक और बड़े नामों के आधार पर सम्मान तय करेंगे, तो वास्तविक योगदान करने वाले लोग हमेशा पीछे रह जाएँगे। नारी सम्मान का उद्देश्य महिलाओं को समाज में उनकी वास्तविक भूमिका और योगदान के लिए पहचान देना होना चाहिए। लेकिन जब सम्मान केवल फोटो, प्रमाणपत्र और सोशल मीडिया पोस्ट तक सीमित रह जाए, तो वह सम्मान नहीं बल्कि सम्मान का बाज़ार बन जाता है।

महिलाओं को ट्रॉफियों से ज्यादा जरूरत है समान अवसर, सुरक्षा, शिक्षा और सम्मानजनक जीवन की। उन्हें ऐसे समाज की जरूरत है जहाँ उनकी मेहनत को मंच की चमक के बिना भी पहचाना जाए। क्योंकि इतिहास यह नहीं पूछता कि किसी को कितने पुरस्कार मिले थे; इतिहास यह पूछता है कि उसने समाज के लिए क्या बदला। और शायद यही सवाल आज हमें खुद से भी पूछना चाहिए–कि हम सचमुच महिलाओं को सम्मान दे रहे हैं,या केवल सम्मान का एक नया बाज़ार खड़ा कर रहे हैं।

आधुनिक युद्ध और दम तोड़ता पर्यावरण

विवेक रंजन श्रीवास्तव

प्राचीन काल के युद्धों की स्मृति मात्र ही हमें एक ऐसे युग में ले जाती है जहाँ शस्त्रों का स्वरूप प्राकृतिक और सीमित था। पुराने समय के धनुष बाण से लड़े जाने वाले युद्ध एक प्रकार से इको फ्रेंडली कहे जा सकते थे क्योंकि उनमें प्रयुक्त सामग्री सीधे तौर पर प्रकृति से आती थी और पुनः उसी में विलीन हो जाती थी। उस दौर में न तो जहरीली गैसों का उत्सर्जन होता था और न ही मिट्टी की उर्वरता को सदा के लिए नष्ट करने वाले घातक रसायनों का प्रयोग किया जाता था। एक योद्धा के तरकश से निकला बाण केवल लक्ष्य को भेदता था । आज की मिसाइलें पूरे पारिस्थितिकी तंत्र को ही छलनी कर देती हैं। समय के साथ मनुष्य की विध्वंसक शक्ति बढ़ती गई और हम लकड़ी के बाणों से निकलकर बारूदी विनाश के उस भयावह युग में आ गए हैं जहाँ जीत का जश्न मनाने के लिए न तो स्वच्छ वायु बचती है और न ही रहने योग्य भूमि। आज की बारूदी मिसाइलों और आधुनिक हथियारों से पर्यावरण को जो अपूरणीय क्षति हो रही है वह किसी भी राजनीतिक विजय से कहीं अधिक महंगी है। जब कोई मिसाइल दागी जाती है तो वह केवल जीवन ही नहीं लेती बल्कि वातावरण में भारी मात्रा में कार्बन डाइऑक्साइड और सल्फ्यूरिक एसिड जैसे हानिकारक तत्व घोल देती है। युद्ध क्षेत्रों में होने वाले विस्फोटों से निकलने वाला सूक्ष्म गर्द और जहरीला धुआं मीलों दूर तक फैलकर लोगों के फेफड़ों में जहर भर रहा है। बमबारी से होने वाले कंपन और रसायनों के रिसाव के कारण भूजल स्तर न केवल दूषित हो रहा है बल्कि मिट्टी अपनी पैदावार की क्षमता भी खो रही है। यह विनाश केवल वर्तमान तक सीमित नहीं है अपितु आने वाली पीढ़ियों को एक ऐसा बंजर संसार विरासत में दे रहा है जहाँ सांस लेना भी एक संघर्ष होगा। युद्ध की विभीषिका थमने के बाद नव निर्माण की चुनौती एक अलग ही आर्थिक और पर्यावरणीय संकट खड़ा करती है। हाल ही में गाजा के नव निर्माण हेतु डोनाल्ड ट्रंप द्वारा एक विशेष समूह के गठन की चर्चा इसका प्रत्यक्ष उदाहरण है कि युद्ध के बाद खंडहरों को फिर से बसाने में कितनी ऊर्जा और धन का व्यय करना पड़ता है। शोध बताते हैं कि युद्ध के बाद मलबे को हटाने और नई इमारतों के निर्माण में लगने वाला सीमेंट और कंक्रीट उद्योग वैश्विक स्तर पर भारी मात्रा में कार्बन उत्सर्जन करता है। जो संसाधन शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च होने चाहिए थे वे युद्ध द्वारा फैलाई गई गंदगी को साफ करने और ईंट पत्थर जोड़ने में बर्बाद हो रहे हैं। यह एक ऐसा दुष्चक्र है जिसमें पहले हम अरबों डॉलर खर्च करके विनाश करते हैं और फिर उसी विनाश को ढंकने के लिए दोबारा अरबों डॉलर का निवेश करते हैं।

पर्यावरण पर युद्ध के प्रभाव को केवल युद्ध क्षेत्र तक सीमित मान लेना हमारी सबसे बड़ी भूल है। समुद्रों में गिरने वाली मिसाइलें और जलमग्न होते जहाज समुद्री जीव जंतुओं के आवास को नष्ट कर रहे हैं जिससे पूरी खाद्य श्रृंखला प्रभावित हो रही है। जंगलों में लगने वाली आग और जैव विविधता का ह्रास हमें उस बिंदु पर ले आया है जहाँ से वापसी संभव नहीं दिखती। यदि मानवता को जीवित रहना है तो हमें युद्ध की परिभाषा को बदलना होगा और समझना होगा कि प्रकृति की हार में मनुष्य की जीत कभी नहीं छिपी हो सकती। हमें हथियारों की इस अंधी दौड़ को रोककर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में सोचना होगा ताकि भविष्य का मनुष्य केवल इतिहास के पन्नों में ही नहीं बल्कि एक स्वस्थ धरा पर जीवित रह सके। काश कि आज के हठ धर्मी नेता जो मानवता पर ये युद्ध थोप रहे हैं, अशोक के सदृश होते , तो बुद्ध पुनः बातों से निकल कर जीवन में प्रवेश कर पाते ।

(लेखक युद्ध के कारण लंदन में रुके हुए)

भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था है संसद का सर्वोच्च मंच

सुभाष बुड़ावन वाला, रतलाम,मप्र

भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में संसद को सर्वोच्च मंच माना जाता है, जहां जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधि देश की नीतियों, समस्याओं और भविष्य की दिशा पर गंभीर चर्चा करते हैं। किंतु दुर्भाग्य से पिछले कुछ वर्षों में संसद की कार्यवाही बार-बार हंगामे और गतिरोध की भेंट चढ़ती दिखाई दे रही है। संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण के प्रारंभ से पहले ही जिस तरह हंगामे की आशंका व्यक्त की जा रही है,वह लोकतांत्रिक परंपराओं के लिए चिंताजनक संकेत है। विपक्ष की ओर से लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के खिलाफ लाए गए अविश्वास प्रस्ताव पर तीखी बहस होना स्वाभाविक है, क्योंकि लोकतंत्र में असहमति और आलोचना का अधिकार विपक्ष को प्राप्त है। लेकिन यह भी उतना ही स्पष्ट है कि वर्तमान परिस्थितियों में यह प्रस्ताव संख्या बल के आधार पर पारित होने की स्थिति में नहीं है। इसके बावजूद इस विषय पर अनावश्यक राजनीतिक टकराव और संसद की कार्यवाही को बाधित करना जनता की अपेक्षाओं के अनुरूप नहीं माना जा सकता। प्रधानमंत्री Narendra Modi ने सत्र शुरू होने से पहले लोकसभा अध्यक्ष की कार्यशैली की प्रशंसा करते हुए सत्तापक्ष को एकजुट रहने का संदेश दिया है। दूसरी ओर विपक्ष ने भी अपने सांसदों को 9 और 10 मार्च को सदन में उपस्थित रहने के लिए व्हिप जारी किया है, जिससे यह संकेत मिलता है कि सदन में शक्ति प्रदर्शन और तीखी नोकझोंक देखने को मिल सकती है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में यह राजनीतिक प्रतिस्पर्धा स्वाभाविक है, लेकिन जब यही प्रतिस्पर्धा संसद की कार्यवाही को बाधित करने लगे, तब यह चिंता का विषय बन जाती है। हाल के वर्षों में संसद के कई सत्रों में कार्यवाही का बड़ा हिस्सा हंगामे के कारण बाधित हुआ है। संसदीय कार्य मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार कई बार सत्र का लगभग आधा समय व्यवधानों में ही निकल जाता है। इससे न केवल महत्वपूर्ण विधेयकों और नीतियों पर गंभीर चर्चा नहीं हो पाती, बल्कि संसद की गरिमा भी प्रभावित होती है। जनता अपने प्रतिनिधियों को इसलिए चुनकर भेजती है कि वे उनकी समस्याओं को सदन में उठाएं और समाधान की दिशा में काम करें, न कि केवल राजनीतिक लाभ के लिए सदन को ठप कर दें। इस बार एक अन्य मुद्दा पश्चिम एशिया की परिस्थितियों से जुड़ा है। Iran पर Israel और United States के संभावित हमले को लेकर विपक्ष सरकार से स्पष्टीकरण मांग सकता है। अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर चर्चा होना आवश्यक है, क्योंकि वैश्विक परिस्थितियों का प्रभाव भारत की विदेश नीति, अर्थव्यवस्था और ऊर्जा सुरक्षा पर पड़ता है। किंतु ऐसे विषयों पर भी यदि चर्चा के बजाय केवल

राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप हों,तो उसका कोई सकारात्मक परिणाम नहीं निकलता। दरअसल लोकतंत्र की मजबूती के लिए एक मजबूत सरकार के साथ-साथ एक जिम्मेदार और रचनात्मक विपक्ष भी उतना ही आवश्यक होता है। विपक्ष का कर्तव्य केवल विरोध करना नहीं, बल्कि वैकल्पिक सुझाव देना और राष्ट्रीय हित से जुड़े मुद्दों पर सहयोग करना भी है। संसद में स्वस्थ बहस,तथ्यों पर आधारित तर्क और जनहित के प्रति प्रतिबद्धता ही लोकतंत्र की असली शक्ति है। आज आवश्यकता इस बात की है कि संसद को राजनीतिक टकराव का अखाड़ा बनाने के बजाय नीति निर्माण और राष्ट्रीय चिंतन का मंच बनाया जाए। जब पक्ष और विपक्ष दोनों यह समझेंगे कि जनता का विश्वास उनकी सबसे बड़ी पूंजी है, तभी संसद की गरिमा और प्रभावशीलता दोनों सुरक्षित रह पाएंगी। वह दिन वास्तव में लोकतंत्र के लिए गौरव का होगा जब सदन में हर चर्चा का मूल मंत्र 'राष्ट्र प्रथम' और 'जनहित सर्वोपरि' होगा।

कविता

अशोक पटेल 'आशु '
तुस्मा-शिवरीनारायण(छ ग)

नारी तू महान है...

हे नारी तुम शक्ति स्वरूपा हो
नारी तुम ही श्रद्धा समर्पण हो।
नारी तुम ही आस विश्वास हो
नारी तुम सृष्टी की विकास हो।

एक नारी तू ही सभी पर भारी,
नारी के बिना तो जग अंधियारी।
नारी है तो जगत में है उजियारी
नारी से ही उपजी सृष्टी सारी।

नारी तुम मात्र, जग में महान हो
सृष्टि के विकास की,पहचान हो।
तुम ही आदि-अंत की,विधान हो
तुम ही ईश्वर की बड़ी,वरदान हो।

नारी से ही यह सारा जहान है
नारी से ही यह जगत महान है।
हे नारी तू ही शक्ति की खान है
हे नारी तू ही ऊर्जा,क्षमतावान है।

बांग्लादेश में वेश्याओं को दिए जा रहे हैं जानवरों वाले स्टीरॉयड

सुभाष आनंद

पिछले दिनों पाकिस्तान की 4 महिला पत्रकार बांग्ला देश की यात्रा पर गई थी, यहां उन्होंने बांग्ला देश में देह व्यापार में लिप्त करीब 3 लाख महिलाओं पर टिप्पणी करते हुए संयुक्त बयान में कहा था कि 90 फीसदी महिलाओं को ऐसे स्टीरॉयड की लत है जो जानवरों को मोटा करने के लिए दिया जाता है। पाकिस्तान मानवधिकार आयोग की आयशा अंजुमन का कहना है कि बांग्लादेश और पाकिस्तान में छोटी लड़कियों को जानवरों वाले स्टीरॉयड दिए जाते हैं,ताकि वे जल्द ही जवान और आकर्षक दिख सकें। इन महिलाओं का कहना है कि एशियन देशों में महिलाओं के साथ जानवरों जैसा सलूक किया जा रहा है।वहीं पाकिस्तान की मशहूर वकील अंजुम रहीम ने कहा है कि एशियन देशों खासकर बंगला देश में महिलाओं का जिस प्रकार शोषण किया जा रहा है, उस पर बात करने की खास जरुरत है। एशियन देशों में महिलाओं के शोषण की बातें दुनियाभर के समाचार पत्रों में प्रकाशित हो रही है। वहीं मुस्लिम देशों में महिलाओं के ऊपर हो रहे अत्याचारों को भी विदेशी समाचार पत्र प्रथम पन्नों पर प्रकाशित कर रहे है। पाकिस्तान की महिला वकील अह्मद वकीला का कहना है कि अनेक कंपनियां एशियाई देशों में अपना कारोबार चमकाने के लिए कई प्रकार के अश्लील विज्ञापनों का सहारा ले रही है। उधर,बांग्ला देश में वेश्यावृति को कानूनी मान्यता प्राप्त है ओर सरकारी मान्यता प्राप्त वेश्याएं अपने अच्छे शरीर के दम पर अधिक से अधिक ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए रोज स्टीरॉयड्स का प्रयोग कर रही है, जोकि शरीर के लिए हानिकारक तो होता है लेकिन शरीर को हष्टपुष्ट बनाता है। बांग्ला देश में वेश्याएं वेश्यालयों की स्वामी जिन्हें वे मैडम कहती हैं,उनके अधीन जीवन व्यतीत करती है। अपनी कमाई का बड़ा हिस्सा उन्हें देना पड़ता है। ऐसे में इन ड्रग के अति हानिकारक प्रभावों को जानने के बावजूद वेश्याएं अधिक कमाई की आशा में अपनी इच्छा से इस ड्रग का सेवन करती है और शीघ्र ही इन छोटी आयु की लड़कियों को इस नशे की लत लग जाती है। जिसके बाद उसे छोड़ने का मन होने पर भी वह इसे छोड़ नहीं सकती। प्राप्त जानकारी के अनुसार 2024 में कई वेश्याओं की जानवरों वाले स्टीरॉयड लेने से मौत हो चुकी है। बांग्ला देश की सरकार ने इस पर सख्त कार्रवाई करने की धमकी दी थी। सैक्स वर्कस कैम्पेन ग्रुप ने ब्रिटिश संस्था एक्शन एड से इसके बारे में पड़ताल करवाने की मांग की थी। ढ़ाका के बुद्धिजीवी कमल हुसैन का कहना है कि लड़कियों की मौत के रहस्य से पर्दा उठते ही बांग्ला देश के वेश्यालयों में हड़कंप मच गया है, सरकार स्टीरॉयड बंद करने पर विचार कर रही है। उनके अनुसार वेश्यालयों में प्रायःकमजोर और दुबली-पतली लड़कियां ही आती है। ग्राहकों को अपनी तरफ आकर्षित करने के लिए उन्हें मांसल शरीर पाने हेतु कई प्रकार के उपाय करने पड़ते है, जबकि स्टीरॉयड जादू की छड़ी की भांति काम करता है। चंद ही दिनों में दुबली-पतली लड़कियां मांसल बनकर उभरती है,और भारी शरीर ग्राहकों को अच्छा लगता है। डाक्टरों के अनुसार बड़े पैमाने पर जानवरों को दिए जाने वाले स्टीरॉयड लिए जाने के कारण हृदय रोग,गुर्दा फेल होना, मोटापा ओर ओस्टियोपोरोसिस जैसे जानलेवा रोग हो सकते है।

इन स्टेरॉयड का दो-तीन महीने लगातार प्रयोग करने पर शरीर पर खतरनाक प्रभाव देखने को मिल सकते है। कई वेश्याएं वर्षों से इसका लगाातर प्रयोग कर रही है। इसके प्रयोग से कई बार किडनी की समस्याएं खड़ी हो रही है। वैसे बांग्ला देश में बिना डाक्टरों की पर्ची के कोई दवा लेना-देना अपराध है, लेकिन कैमिस्टों की दुकानों पर बड़े धड़ल्ले से ये स्टेरॉयड्स बेचे जा रहे है, यहां तक कि यह चाय की दुकानों पर भी उपलब्ध है। 40 वर्षीय हसीना का कहना है मैं 20 वर्ष की आयु से वेश्यावृति के धंधे में काम कर रही हूं, तब से दवा ले रही हूं। अब दवाई की मुझे लत लग चुकी है और मैं इसे छोड़ नहीं पा रही हूं।

सुविचार

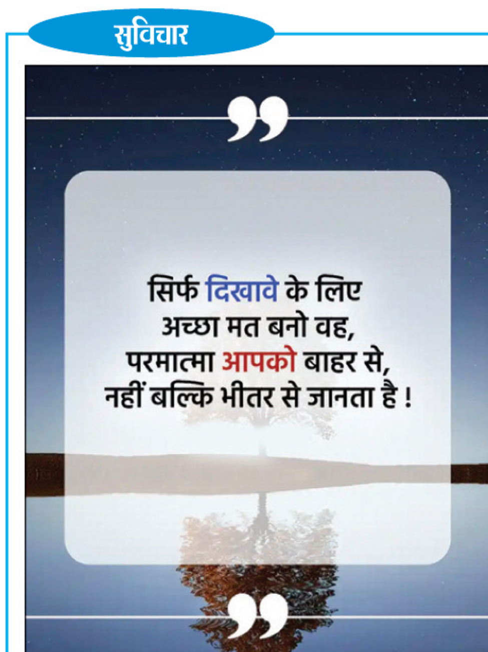

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटाराअम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

गैस सिलेंडर महंगा होने पर कांग्रेस का प्रदर्शन...प्रधानमंत्री का पुतला दहन

घरेलू गैस में 60 और कमर्शियल सिलेंडर में 115 रुपए बढ़ोत्तरी का विरोध,सरकार पर महंगाई बढ़ाने का आरोप

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

घरेलू और कमर्शियल गैस सिलेंडर की कीमतों में बढ़ोत्तरी के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा ने शनिवार को प्रधानमंत्री का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया। यह कार्यक्रम प्रदेश कांग्रेस कमेटी के आवाहन पर जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक के नेतृत्व में आयोजित किया गया। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि मध्यपूर्व में युद्ध की स्थिति बनने के बाद केंद्र सरकार ने दावा किया था कि देश में पेट्रोलियम पदार्थों का पर्याप्त भंडारण है और कीमतों में वृद्धि नहीं होगी। इसके बावजूद 7 मार्च से घरेलू गैस सिलेंडर की कीमत में 60 रुपए और कमर्शियल सिलेंडर में 115 रुपए की बढ़ोतरी कर दी गई है। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि यह बढ़ोत्तरी

उज्ज्वला योजना के उपभोक्ताओं पर भी लागू की गई है। इसके अलावा गैस सिलेंडर की दूसरी रिफिलिंग का समय,जो पहले 16 दिन था,उसे बढ़ाकर 21 दिन कर दिया गया है। कांग्रेस का आरोप है कि सरकार चाहती तो करों में कटौती कर आम जनता को राहत दे सकती थी,लेकिन ऐसा नहीं किया गया।

पुलिस से हुई छीनाझपटी : प्रदर्शन के दौरान पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच कुछ देर के लिए छीनाझपटी की स्थिति भी बनी। इसके बाद कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री का पुतला दहन किया। मीडिया से बातचीत में जिलाध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने कहा कि सरकार की नीतियों के कारण देश में महंगाई बढ़ रही है और आम जनता पर इसका सीधा असर पड़ रहा है। प्रदर्शन के दौरान दुर्गेश गुप्ता, संजय सिंह, अनूप मेहता,लोकेश कुमार,गुरुप्रीत सिद्धू,चंद्रप्रकाश सिंह, रजनीश सिंह, नीतीश चौरसिया, विकल झा, आलोक सिंह, अमित सिन्हा, हिमांशु जायसवाल, आशीष जायसवाल सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

नमनाकला में अवैध महुआ शराब पर आबकारी विभाग की कार्रवाई

छापे में 19.5 लीटर महुआ शराब जब्त दो महिलाओं पर केस,एक आरोपी फरार

-संवाददाता-
अम्बिकापुर, 08 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

शहर के नमनाकला स्थित शनि मंदिर के पास अवैध महुआ शराब बिक्री की शिकायत पर आबकारी विभाग की उडऩ्दस्ता टीम ने रविवार सुबह छापामार कार्रवाई की। इस दौरान अलग-अलग स्थानों से कुल 19.5 लीटर महुआ शराब जब्त कर आबकारी अधिनियम के तहत कार्रवाई की गई। आबकारी विभाग के अनुसार लंबे समय से शनि मंदिर नमनाकला क्षेत्र में अवैध महुआ शराब की बिक्री की शिकायत मिल रही थी। शिकायत के आधार पर सहायक जिला आबकारी अधिकारी के मार्गदर्शन में टीम ने कार्रवाई की। छापे के दौरान मोहरमनीया के पास से 7 लीटर महुआ शराब बरामद की गई। इस मामले में आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) व 59 (क) के तहत कार्रवाई कर उसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया। इसके अलावा मोहरमनीया के घर के पास एक खुले मकान से 10.5 लीटर महुआ शराब जब्त की गई। पड़ोसियों के अनुसार यह घर उत्तम चेरवा का है,जो कार्रवाई के दौरान मौके से फरार हो गया। वहीं पास में रहने वाली सीता चेरवा के घर से भी 2 लीटर महुआ शराब बरामद कर नियमानुसार कार्रवाई की गई। सहायक जिला आबकारी अधिकारी ने बताया कि नमनाकला का यह क्षेत्र महुआ शराब की अवैध बिक्री के लिए

काफी समय से कुख्यात है। पहले भी यहां छापेमारी की गई थी,लेकिन आरोपी मौके से भाग जाते थे। इस बार दो महिलाओं को पकड़ा गया है,जबकि फरार आरोपी की तलाश की जा रही है। जल्द ही उसे भी गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

इनकी रही अहम भूमिका : कार्रवाई आबकारी उपनिरीक्षक टी.आर. केहरी के नेतृत्व में की गई। टीम में मुख्य आरक्षक रमेश दुबे,कुमारू राम तथा महिला आरक्षक राजकुमारी सिंह और चंद्रावती की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष और जिला महामंत्री ने पार्टी से दिया इस्तीफा

-संवाददाता-
बलरामपुर,08 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ कांग्रेस में पिछले कुछ समय से लगातार अंतरकलह जारी है। कांग्रेस संगठन के कई पदाधिकारी लगातार इस्तीफा देकर पार्टी से अलग हो रहे हैं। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले से एक बड़ी खबर निकलकर सामने आई है। बलरामपुर जिले के कांग्रेस जिला महामंत्री संजीव गुप्ता ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। इतना ही नहीं ब्लॉक अध्यक्ष जसिम अंसारी ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। जिला कांग्रेस और ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के दोनों दिग्गज नेताओं ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष को अपना इस्तीफा भेजा है। इस्तीफा देते हुए कांग्रेस जिला महामंत्री संजीव गुप्ता ने जिला अध्यक्ष पर उपेक्षा का आरोप लगाया है। संजीव गुप्ता के इस आरोप का कांग्रेस जिला अध्यक्ष हरिहर प्रसाद यादव का भी बयान सामने आया है। कांग्रेस जिला अध्यक्ष ने संजीव गुप्ता पर सहयोग न करने और पार्टी के कार्यक्रमों में उपस्थित न होने का आरोप लगाया है।

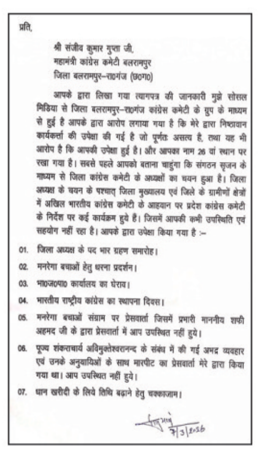

प्रति,

श्री संजीव कुमार गुप्ता जी,
महामंत्री कांग्रेस कमेटी बलरामपुर
जिला बलरामपुर-रा0गंज (छ0ग0)

आपके द्वारा लिखा गया त्यागपत्र की जानकारी मुझे सोसल मिडिया से जिला बलरामपुर-रा0गंज कांग्रेस कमेटी के ग्रुप के माध्यम से हुई है आपके द्वारा आरोप लगाया गया है कि मेरे द्वारा निष्ठावान कार्यकर्ता की उपेक्षा की गई है जो पूर्णतः असत्य है, तथा यह भी आरोप है कि आपकी उपेक्षा हुई है। और आपका नाम 26 वां स्थान पर रखा गया है। सबसे पहले आपको बताना चाहुंगा कि संगठन सृजन के माध्यम से जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों का चयन हुआ है। जिला अध्यक्ष के चयन के पश्चात् जिला मुख्यालय एवं जिले के ग्रामीणों क्षेत्रों में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आहवान पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर कई कार्यक्रम हुये हैं। जिसमें आपकी कभी उपस्थिति एवं सहयोग नहीं रहा है। आपके द्वारा उपेक्षा किया गया है :-

01. जिला अध्यक्ष के पद भार ग्रहण समारोह।
02. मनरेगा बचाओं हेतु धरना प्रदर्शन।
03. भा0ज0पा0 कार्यालय का घेराव।
04. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का स्थापना दिवस।
05. मनरेगा बचाओं संग्राम पर प्रेसवार्ता जिसमें प्रभारी माननीय शफी अहमद जी के द्वारा प्रेसवार्ता में आप उपस्थित नहीं हुये।
06. पूज्य शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानन्द के संबंध मे की गई अभद्र व्यवहार एवं उनके अनुयायिओं के साथ मारपीट का प्रेसवार्ता मेरे द्वारा किया गया था। आप उपस्थित नहीं हुये।
07. धान खरीदी के लिये तिथि बढ़ाने हेतु चक्काजाम।

[signature] 7/3/2026

अफीम की खेती को लेकर कांग्रेस का सरकार पर हमला

दुर्ग के समोदा गांव में 10 एकड़ में अफीम की खेती का मामला,दोषियों पर कार्रवाई और गृहमंत्री से इस्तीफे की मांग

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

सरगुजा में कांग्रेस नेताओं ने दुर्ग जिले में सामने आए अफीम की खेती के मामले को लेकर प्रदेश सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। कांग्रेस का कहना है कि प्रदेश में भाजपा सरकार बनने के बाद नशे का अवैध कारोबार तेजी से बढ़ा है और इसे सरकारी संरक्षण मिल रहा है। जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने शुक्रवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा कि दुर्ग जिले के समोदा गांव में लगभग

10 एकड़ जमीन पर अफीम की खेती की जा रही थी। इस मामले की जानकारी गांव के सरपंच ने पुलिस को दी थी। मामले के सामने आने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल भी मौके पर पहुंचे थे और उन्होंने वहां बड़े पैमाने पर अफीम की खेती देखी। उन्होंने आरोप लगाया कि इतने बड़े स्तर पर अफीम की खेती बिना सरकारी संरक्षण के संभव नहीं है। जिस जमीन पर यह खेती की जा रही थी, उसका मालिक पहले भारतीय जनता किसान मोर्चा का जिलाध्यक्ष रह चुका है।

सरकार पर लगाया संरक्षण का आरोप : कांग्रेस नेताओं का कहना है कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में प्रदेश में अवैध गतिविधियों को बढ़ावा मिल रहा है। सरकार बनने के बाद से जुआ, सट्टा और नशे जैसे अवैध कारोबार तेजी से फैल रहे हैं। जिला कांग्रेस कमेटी ने मांग की है कि इस मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी अधिकारियों और राजनीतिक लोगों पर कड़ी कार्रवाई की जाए। साथ ही प्रदेश के गृहमंत्री से नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए तत्काल इस्तीफा देने की मांग भी की गई है। पत्रकार वार्ता के दौरान द्वितेन्द्र मिश्रा,हेमंत तिवारी, इरफान सिद्दिकी सहित अन्य कांग्रेस नेता उपस्थित थे।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर ब्रह्माकुमारी संस्थान में नारी शक्ति सम्मान कार्यक्रम

आध्यात्मिक शक्ति और सकारात्मक सोच से नारी सशक्तिकरण संभव : बीके विद्या दीदी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर शनिवार को प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, अंबिकापुर में नारी शक्ति के सम्मान में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन कर की गई। इस अवसर पर जिला चिकित्सालय की चिकित्सक डॉ. रूपल ठाकुर,पीजी कॉलेज की सहायक प्राध्यापक डॉ. रश्मीत कौर,जिला पंचायत अध्यक्ष निरूपा सिंह,प्रोफेसर डॉ. रश्मि चरियानी,बलरामपुर की सीईओ नयनतारा, सामाजिक कार्यकर्ता मीरा शुक्ला,सरस्वती शिशु मंदिर की प्राचार्य मीरा साहू,पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष फुलेश्वरी सिंह,सामाजिक कार्यकर्ता वंदना दत्ता,शिल्पा अग्रवाल तथा ब्रह्माकुमारी संचालिका बीके विद्या दीदी सहित अन्य अतिथि उपस्थित रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ब्रह्माकुमारी संचालिका

आध्यात्मिक शक्ति से मिलती है मानसिक शांति

सीईओ नयनतारा ने कहा कि वर्तमान समय में मानसिक शांति के लिए आध्यात्मिक ज्ञान और योग की आवश्यकता है। योग के माध्यम से चेतना जागृत होती है और व्यक्ति सही निर्णय लेने में सक्षम बनता है। जिला चिकित्सालय की डॉ. रूपल ठाकुर ने कहा कि शारीरिक स्वास्थ्य के साथ मानसिक स्वास्थ्य भी उतना ही महत्वपूर्ण है। सकारात्मक सोच और परमात्मा पर विश्वास जीवन को संतुलित बनाता है। सामाजिक कार्यकर्ता मीरा शुक्ला ने कहा कि महिला और पुरुष समाज रूपी गाड़ी के दो पहिए हैं। सकारात्मक सोच और आत्म परिवर्तन से ही परिवार और समाज में समरसता आ सकती है।

सरगुजा संभाग की बीके विद्या दीदी ने कहा कि नारी स्नेह, करुणा, त्याग और बलिदान की प्रतीक है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को अपनी आंतरिक शक्तियों को पहचानने और सकारात्मक सोच के साथ आत्मबल बढ़ाने की आवश्यकता है। आध्यात्मिक शक्ति और राजयोग मेडिटेशन के माध्यम से जीवन में दिव्यता और आत्मविश्वास विकसित किया जा सकता है।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने बढ़ाया उत्साह

कार्यक्रम में अदिति और परी ने स्वागत नृत्य प्रस्तुत किया, जबकि दुर्गा अग्रवाल ने भजन प्रस्तुत किया। बी.के. पुष्पा ने प्रतिभागियों के लिए विशेष गतिविधि कराई। कार्यक्रम की शुरुआत बहन परी के शक्ति तांडव नृत्य से हुई। कार्यक्रम में शहर के अनेक नागरिकों के साथ लगभग 200 महिलाएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन बीके प्रतिमा ने किया, जबकि अंत में मीरा साहू ने आभार व्यक्त किया।

सुनील सिंह बने जिला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष

संगठन को मजबूत करने की जताई प्रतिबद्धता

-संवाददाता-
राजपुर,08 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष दीपक बैज के अनुमोदन पश्चात बलरामपुर जिला कांग्रेस कमेटी की नई कार्यकारिणी घोषणा की गई। इसी क्रम में क्षेत्र के सक्रिय कांग्रेस नेता सुनील सिंह को जिला कांग्रेस कमेटी बलरामपुर का जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। सुनील सिंह की नियुक्ति को संगठन के प्रति उनके लंबे समय से किए जा रहे समर्पण,संघर्ष और सक्रिय योगदान का सम्मान माना जा रहा है। पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय नेताओं ने इस निर्णय का स्वागत करते हुए इसे संगठन को और अधिक मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया है। सुनील सिंह पिछले लगभग 25 वर्षों से कांग्रेस संगठन से सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। इस दौरान उन्होंने15 वर्षों तक पार्टी में प्रवक्ता के दायित्व को निभाया है तथा विभिन्न जिम्मेदारियों का

सफलतापूर्वक निर्वहन करते हुए पार्टी की नीतियों और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य किया है। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष के लगभग पांच वर्षों के कार्यकाल के दौरान गांव गांव जाकर लोगों से सतत संपर्क रखा,लंबे समय तक जिला कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता के रूप में भी अपनी भूमिका निभा चुके हैं। प्रवक्ता के रूप में उनकी स्पष्ट सोच,प्रभावशाली वाक्यशैली और संगठन के प्रति प्रतिबद्धता ने उन्हें कार्यकर्ताओं और नेताओं के बीच एक विश्वसनीय चेहरा बनाया। इसके अलावा उन्होंने राजपुर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के रूप में लगभग पांच वर्षों तक संगठन को मजबूत करने का कार्य किया। अपने कार्यकाल में उन्होंने जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने,संगठनात्मक गतिविधियों को बढ़ाने तथा आम जनता की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय सुनील सिंह राजपुर विकासखंड के ग्राम नरसिंहपुर के पूर्व उपसरपंच भी रह चुके हैं। स्थानीय स्तर पर जनता के साथ उनका मजबूत जुड़ाव और संगठन के प्रति समर्पण ही उन्हें इस नई जिम्मेदारी तक लेकर आया है। अपनी नियुक्ति पर सुनील सिंह ने पार्टी के शीर्ष नेतृत्व और जिला संगठन का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह पद उनके लिए सम्मान के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि वे पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ संगठन को मजबूत करने तथा कांग्रेस की नीतियों को गांव-गांव और बूथ स्तर तक पहुंचाने का प्रयास करेंगे।

वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. दुर्गा प्रसाद माहुले का निधन मेडिकल कॉलेज को सौंपा गया पार्थिव शरीर

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,08 मार्च 2026 (घटती-घटना)।

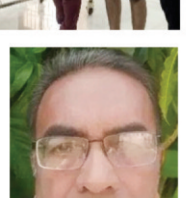

डीसी रोड निवासी एवं माहुले क्लिनिक के संचालक,वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. दुर्गा प्रसाद माहुले का 7 मार्च को अंबिकापुर के लाइफ लाइन अस्पताल में निधन हो गया। वे करीब 78 वर्ष के थे। उनके निधन से शहर के चिकित्सा जगत और सामाजिक क्षेत्र में शोक की लहर है। डॉ. माहुले क्षेत्र के प्रतिष्ठित,सेवा भावी और मिलनसार चिकित्सक के रूप में जाने जाते थे। उन्होंने लंबे समय तक चिकित्सा सेवा को समाज सेवा का माध्यम बनाते हुए हजारों लोगों का उपचार किया और समाज में विशेष स्थान बनाया। डॉ. माहुले ने जीवनकाल में ही अपने पार्थिव शरीर को मेडिकल कॉलेज अंबिकापुर को दान करने का निर्णय लिया था। उनके निधन के बाद उनके सुपुत्र अभिनव माहुले ने पिता की इच्छा के अनुसार पार्थिव शरीर को चिकित्सा शिक्षा एवं शोध कार्य के लिए मेडिकल कॉलेज को सौंप दिया। मेडिकल कॉलेज में प्रभारी अधिष्ठाता एवं एनाटॉमी विभागाध्यक्ष डॉ. रंजना सिंह आर्या ने विधिवत कार्रवाई कर देह प्राप्ति की प्रक्रिया पूरी की। इस दौरान विभाग के चिकित्सा शिक्षक डॉ. परमानंद अग्रवाल सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे।

देहदान से बढ़ रही जागरूकता

मेडिकल कॉलेज के अनुसार वर्तमान में अध्ययन और शोध कार्य के लिए कुल 12 देह उपलब्ध हैं। अब तक विभाग को देहदान के रूप में यह चौथी देह प्राप्त हुई है। डॉ. माहुले का देहदान का निर्णय समाज के लिए एक प्रेरणादायी उदाहरण माना जा रहा है,जिससे देहदान के प्रति जागरूकता बढ़ने की उम्मीद है।

राजकटेल में पंडो जनजाति की भूमि पर अतिक्रमण

भाजपा जिला अध्यक्ष पहुंचे,हर संभव सहयोग का भरोसा

-संवाददाता-
लखनपुर, 08 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

लखनपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम राजकटेल में पंडो विशेष पिछड़ी जनजाति की पैतृक भूमि पर कथित अतिक्रमण का मामला गरमा गया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सरगुजा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने पार्टी पदाधिकारियों और आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों के साथ बुधवार को गांव पहुंचकर प्रभावित पंडो परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए पार्टी के पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि बाहरी क्षेत्रों (मुख्यतः झारखंड और बिहार) से आए कुछ मुस्लिम व्यक्तियों ने उनकी सैकड़ों एकड़ कृषि भूमि पर जबरन कब्जा कर लिया है तथा अवैध रूप से मकान निर्माण और खेती की जा रही है। विरोध करने पर उन्हें जान से मारने की धमकियां दी गईं तथा जातिसूचक गाली-गलौज का सामना करना पड़ा। इस संबंध में कुछ लोगों के खिलाफ पुलिस में प्रकरण भी दर्ज कराया गया है।

भाजपा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा,'पंडो समाज, जो राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र कहलाता है, अति संरक्षित जनजाति है। उनकी जमीन और अधिकारों की रक्षा हमारी प्राथमिकता है। किसी भी कीमत पर गरीब आदिवासियों के साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा।

पार्टी वैधानिक और विधिसम्मत तरीके से मामले की निगरानी करेगी तथा प्रशासन से तेज कार्रवाई सुनिश्चित कराएगी। 'प्रशासन ने मामले को गंभीरता से लिया है। सरगुजा कलेक्टर के

निर्देशन में जांच पूरी होने के बाद छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता की धारा 170-ख के तहत अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी किया गया है। साथ ही तहसील कार्यालय से धारा 250 के तहत भी नोटिस जारी किए गए हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय के निर्देश पर एसडीएम उदयपुर के न्यायालय में धारा 170-बी के तहत प्रकरण दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

भाजपा और आदिवासी समाज के प्रतिनिधियों ने ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उन्हें आश्वस्त किया कि उनकी जमीन वापसी और अधिकारों की लड़ाई में वे अकेले नहीं हैं। पूरा दल उनके साथ खड़ा रहेगा,कार्यक्रम में मुख्य रूप से भाजपा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया जिला उपाध्यक्ष मधुसूदन शुक्ला, जन्मेजय मिश्राआदिवासी मोर्चा जिला अध्यक्ष बिन्देश्वरी पैकरा रवि उरांव,निलेश सिंह, कमलेश टोप्पो,अजित सिंह,दिनेश गुप्ता,मंडल अध्यक्ष दिनेश बारी,रवि महंत,भैयालाल साहू पंडो समाज के गणेश पंडो,रतन पंडो,रामधन पंडो, मुन्ना पंडो, बेचन राम पंडो, लाला गुलाब पंडो, कामेश्वर पंडो, प्राण गोपाल पंडो सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे यह मामला सरगुजा में आदिवासी भूमि संरक्षण और अतिक्रमण के खिलाफ चल रही बहस को और तेज कर रहा है, जहां पंडो जनजाति की संरक्षित जमीन पर कब्जे के आरोपों ने राजनीतिक और सामाजिक स्तर पर ध्यान आकर्षित किया है। प्रशासन से अब निर्णायक कार्रवाई की उम्मीद है।

महिला से गलत कृत करने वाले फरार आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा सलाखों के पीछे

-संवाददाता-
वाड्राफनगर, 08 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के थाना बसंतपुर, अंतर्गत वाड्रफनगर पुलिस ने महिला से गलत कृत करने वाले आरोपी शिक्षक को गिरफ्तार कर जिला अपराध क्रमांक 35/2026 थारा 64, 331 (4), 351 (3) न्याय सहीता के तहत आरोपी शिक्षक पर कार्यवाही कर भेजा सलाखों के पीछे। आरोपी शिक्षक पूर्व परिचित था महिला सौच के लिए बाहर निकली थी,पीड़िता की रिपोर्ट पर पुलिस ने कार्यवाही कर भेजा सलाखों के पीछे, आरोपी प्रतोष पटेल (चंदेल) पिता रघुवंशी पटेल जाति कुनबी उम्र 40 वर्ष निवासी परसडीहा चौकी वाड्रफनगर थाना बसंतपुर जिला बलरामपुर-रा.गंज का रहने वाला है इस लिए नापाक हरकत कर घटना को दिया था अंजाम। जानकारी के अनुसार प्रार्थिया (पीड़िता) दिनाँक 28.02.2026 के रात करीब 12:00 बजे घर से बाहर बाथरूम के लिए निकली थी तभी पीड़िता का पूर्व से परिचित जान पहचान का आरोपी ग्राम परसडीहा निवासी शिक्षक प्रतोष पटेल (चंदेल) पिता रघुवंशी पटेल प्रार्थीया के साथ गलत काम किया है। पीड़िता/ प्रार्थिया की रिपोर्ट पर पुलिस चौकी वाड्रफनगर,थाना बसंतपुर में अपराध क्रमांक 35/2026 धारा 64, 331(4),351 (3) भारतीय न्याय संहिता का अपराध पंजीबद्ध

कर विवेचना में लिया गया।

नाम परिवर्तन सूचना

मैं दशरथ कुमार शर्मा आ. नन्द किशोर शर्मा, वर्ष, निवासी- चर्च मार्ग के पास, भट्ठीरोड, अंबिकापुर, जिला- सरगुजा, (छ.ग.) । यह कि मैं चर्च मार्ग के पास, भट्ठीरोड, अंबिकापुर, जिला- सरगुजा, (छ.ग.) का स्थायी निवासी हूं। मेरे पुत्र का पूराना नाम निभम शर्मा NIBHAM SHARMA है जो उसके आधार कार्ड मे दर्ज है, मैं अपने पुत्र के आधार कार्ड में उसका नाम निभम शर्मा NIBHAM SHARMA का नाम बदल कर उसके स्थान पर मैं अपने पुत्र का नया नाम अभय शर्मा ABHAY SHARMA दर्ज करना चाहता हूं।
मेरे पुत्र के पुराने नाम में किसी भी न्यायालय में कोई भी प्रकरण लंबित नही है और न ही किसी बैंक में ऋण की राशि शेष है । मैं अपने पुत्र का नाम बदलकर, यदि कोई गैर कानूनी काम करता हूं तो उसके लिये में पूर्णतः स्वयं जिम्मेदार रहूंगा। यह शपथ पत्र अपने पूर्ण होशो हवास में सक्षम प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया गया है

सपथकर्ता
दशरथ कुमार शर्मा

09 MARCH 2026 AMBIKAPUR GG NEWS PAPER1 11_Layout 2 3/8/2026 11:40 PM Page 4

दुर्ग में अफीम खेती का खुलासा और कांग्रेस का हमला...

कहा...सत्ता के संरक्षण में फल-फूल रहा नशे का कारोबार

अफीम खेती मामले में भाजपा घिरी...कांग्रेस ने गृह मंत्री से मांगा इस्तीफा

- प्रदेश में नशे का नेटवर्क...दुर्ग में 10 एकड़ अफीम खेती पर कांग्रेस का बड़ा आरोप
- भाजपा नेता के फार्महाउस में अफीम खेती का मामला,कांग्रेस बोली...सरकार जवाब दे...
- नशे के कारोबार पर सियासत तेजः कांग्रेस ने कहा...भाजपा शासन में प्रदेश बन रहा नशे का अड्डा
- अफीम खेती पर घमासान,कांग्रेस ने भाजपा नेताओं के संबंधों की जांच की मांग उठाई...
- युवा पीढ़ी नशे की गिरफ्त में...कांग्रेस ने सरकार को घेरा,कार्रवाई की मांग...

कोरिया जिला कांग्रेस कमेटी की प्रेसवार्ता

एमसीबी जिला कांग्रेस कमेटी की प्रेसवार्ता

-संवाददाता-
मनेंद्रगढ़/बैकुंठपुर 08 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

प्रदेश में बढ़ते नशे के कारोबार और दुर्ग जिले में सामने आए अवैध अफीम खेती के मामले को लेकर कांग्रेस ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला है, जिला कांग्रेस कमेटी कोरिया द्वारा आयोजित प्रेस वार्ता में कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि प्रदेश में नशीले पदार्थों का अवैध कारोबार तेजी से फैल रहा है और सरकार इसे रोकने में पूरी तरह विफल साबित हो रही है,राजीव भवन स्थित कांग्रेस कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में कांग्रेस नेताओं ने कहा कि प्रदेश में नशीली दवाइयों, प्रतिबंधित गोलियों, गांजा, अफीम और अन्य मादक पदार्थों का नेटवर्क लगातार फैल रहा है, जिससे युवा पीढ़ी नशे की गिरफ्त में जाती दिखाई दे रही है। पत्रकारवार्ता में जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता के अलावा पूर्व जिला अध्यक्ष नजीर अजहर, पीसीसी सदस्य योगेश शुक्ला, जिला कोषाध्यक्ष अशोक जायसवाल, उपाध्यक्ष प्रवीर भट्टाचार्य, हेमसागर यादव, बिहारी लाल राजवाड़े, भूपेंद्र यादव, आशीष यादव, कृष्ण कुमार राजवाड़े, अनिल जायसवाल, यूसुफ इराकी, आशीष डबरे, दीपक गुप्ता, राजीव गुप्ता, जाग्रत कुर्रे, रियाजउद्दीन, एजाज गुड्डू, एस.एन. मोदी, संजोती मरकाम, अन्नपूर्णा सिंह, चांदनी सोनी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नारकोटिक्स मामलों में बढ़ोतरी : अशोक जायसवाल

जिला कांग्रेस के कोषाध्यक्ष अशोक जायसवाल ने कहा कि प्रदेश में अवैध नशीले पदार्थों की तस्करी और बिक्री के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है, उन्होंने दावा किया कि पिछले कुछ महीनों में ही नारकोटिक्स से जुड़े हजारों प्रकरण सामने आए हैं, उन्होंने कहा कि इसके बावजूद राज्य सरकार और प्रशासन इस समस्या को रोकने में प्रभावी कार्रवाई करने में असफल साबित हो रहे हैं। कांग्रेस का आरोप है कि यदि समय रहते इस पर कड़ी कार्रवाई नहीं की गई तो प्रदेश में नशे का नेटवर्क और अधिक मजबूत हो सकता है।

अफीम खेती का मामला बेहद गंभीर : अशोक श्रीवास्तव

प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव एवं कांग्रेस नेताओं ने कहा कि दुर्ग जिले के समोदा गांव में एक फार्महाउस के अंदर लगभग 10 एकड़ में अफीम की अवैध खेती का खुलासा होना बेहद गंभीर मामला है, कांग्रेस नेताओं का आरोप है कि जिस व्यक्ति के फार्महाउस में अफीम की खेती का मामला सामने आया है, वह भाजपा से जुड़ा रहा है और पूर्व में भाजपा किसान मोर्चा में पदाधिकारी भी रह चुका है, वर्तमान में भी वह भाजपा के एक प्रकल्प में प्रदेश स्तर पर जिम्मेदारी निभा रहा है, कांग्रेस का कहना है कि उक्त व्यक्ति की भाजपा के कई बड़े नेताओं के साथ तस्वीरें सार्वजनिक रूप से उपलब्ध हैं, जिससे उसके राजनीतिक संबंध स्पष्ट होते हैं।

सत्ता के संरक्षण के बिना संभव नहीं : योगेश शुक्ला

प्रेस वार्ता में पीसीसी सदस्य योगेश शुक्ला और अन्य कांग्रेस नेताओं ने कहा कि इतनी बड़ी मात्रा में खुलेआम अफीम की खेती बिना सत्ता के संरक्षण के संभव नहीं हो सकती,उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में प्रदेश में जुआ,सट्टा,शराब तस्करी और नशे का कारोबार तेजी से बढ़ा है, जिसका सबसे अधिक प्रभाव प्रदेश के युवाओं पर पड़ रहा है।

युवा पीढ़ी नशे की गिरफ्त में...

एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडे ने कहा कि प्रदेश में शराब, गांजा, अफीम और अन्य नशीले पदार्थों का नेटवर्क गांव-गांव तक फैल चुका है, इसके कारण युवा पीढ़ी तेजी से नशे की गिरफ्त में जा रही है,लेकिन सरकार इस समस्या को रोकने में पूरी तरह विफल साबित हो रही है।

भाजपा नेताओं से जुड़े होने के आरोप

ब्लॉक कांग्रेस कमेटी मनेंद्रगढ़ शहर अध्यक्ष सौरव मिश्रा ने कहा कि जिस भाजपा नेता के यहां अफीम की खेती का मामला सामने आया है, वह पूर्व में भाजपा किसान मोर्चा के दुर्ग जिला अध्यक्ष रह चुके हैं, उन्होंने कहा कि उस व्यक्ति की तस्वीरें प्रदेश के कई बड़े भाजपा नेताओं के साथ सोशल मीडिया में वायरल हो रही हैं, मिश्रा ने यह भी कहा कि उक्त व्यक्ति की तस्वीर प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के साथ भी सामने आई है, उन्होंने कहा कि जब ऐसे लोगों की नजदीकियां भाजपा के बड़े नेताओं के साथ सामने आ रही हैं, तो पूरे मामले की निष्पक्ष और उच्चस्तरीय जांच होना जरूरी है, ताकि यह स्पष्ट हो सके कि इस अवैध कारोबार के पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं।

नारकोटिक्स मामलों में बढ़ोत्तरी

जिला कांग्रेस के नेताओं ने कहा कि प्रदेश में नशीले पदार्थों की तस्करी और बिक्री के मामलों में लगातार वृद्धि हो रही है,पिछले महीनों में नारकोटिक्स से जुड़े हजारों मामले सामने आए हैं,जो प्रदेश में नशे के बढ़ते नेटवर्क को दर्शाते हैं।

गृह मंत्री से इस्तीफे की मांग...

कांग्रेस नेताओं ने कहा कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए, उन्होंने कहा कि इस घटना की नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए प्रदेश के गृह मंत्री को इस्तीफा देना चाहिए।

आंदोलन की चेतावनी

आदिवासी कांग्रेस जिला अध्यक्ष अमोल सिंह ने कहा कि यदि सरकार इस गंभीर मुद्दे पर जल्द ठोस कार्रवाई नहीं करती है, तो कांग्रेस पार्टी प्रदेशभर में आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी।

कई कांग्रेस नेता रहे मौजूद

प्रेस वार्ता में जिला कांग्रेस अध्यक्ष अशोक श्रीवास्तव, पूर्व विधायक गुलाब कमरो,एनएसयूआई प्रदेश अध्यक्ष नीरज पांडे,योगेश शुक्ला,अशोक जायसवाल,सौरव मिश्रा,रामनरेश पटेल,रफीक मेमन,अमोल सिंह सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

किसान मोर्चा की परिचयात्मक बैठक व होली मिलन समारोह संपन्न,किसानों तक योजनाएं पहुंचाने पर जोर

हर बूथ तक पहुंचे किसान मोर्चा का काम : रामसेवक पैकरा

-संवाददाता-
सूरजपुर,08 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा जिला सूरजपुर द्वारा किसान मोर्चा की परिचयात्मक बैठक एवं होली मिलन समारोह उत्साह और संगठनात्मक ऊर्जा के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ राज्य वन विकास निगम के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा उपस्थित रहे, कार्यक्रम का शुभारंभ भारत माता, पंडित दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया, इसके बाद किसान मोर्चा के जिला पदाधिकारियों तथा विभिन्न मंडलों के अध्यक्ष एवं महामंत्रियों का परिचय कराया गया।

संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने पर चर्चा

बैठक में किसान मोर्चा के संगठन को और अधिक मजबूत बनाने,किसानों की समस्याओं को प्राथमिकता से उठाने तथा केंद्र और राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने पर विस्तृत चर्चा की गई, कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि रामसेवक पैकरा ने कहा कि किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और किसानों की समृद्धि ही राष्ट्र की प्रगति का आधार है,उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी की सरकार किसानों के हित में लगातार महत्वपूर्ण और दूरगामी निर्णय ले रही है,उन्होंने कहा कि 3100 रुपये प्रति क्विंटल की दर से 21 क्विंटल धान खरीदी का निर्णय किसानों के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है, जिससे किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है,इसके साथ ही भूमिहीन कृषकों को 10 हजार रुपये की सहायता राशि देने की योजना को भी राज्य सरकार की महत्वपूर्ण पहल बताया,उन्होंने किसान मोर्चा के पदाधिकारियों से आह्वान किया कि वे गांव-गांव जाकर किसानों को शासन की योजनाओं की जानकारी दें और संगठन के कार्य को हर बूथ तक मजबूत बनाएं।

कार्यकर्ताओं को संगठन विस्तार का दिया संदेश

किसान मोर्चा के संभागीय सह-प्रभारी प्रवीण यादव ने कहा कि जिला किसान मोर्चा लगातार सक्रिय और प्रभावी तरीके से कार्य कर रहा है, उन्होंने कहा कि 'विकसित भारत' और 'जीरामजी' जैसे कार्यक्रमों को किसान मोर्चा जिला सूरजपुर द्वारा सफलतापूर्वक आयोजित किया गया है, वहीं पूर्व जिला महामंत्री राजेश महलावाला ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि संगठन को बूथ स्तर तक और अधिक सक्रिय बनाना आवश्यक है,उन्होंने प्रत्येक बूथ पर 10 'मितान' के गठन को समय-सीमा में पूरा करने का आह्वान किया।

किसानों तक योजनाओं की जानकारी पहुंचाना जरूरी : कृषि अभियांत्रिकी प्रकल्प के प्रदेश सह-संयोजक वीरेन्द्र जायसवाल ने कहा कि किसानों तक सरकार की योजनाओं की जानकारी पहुंचाना संगठन के कार्यकर्ताओं की जिम्मेदारी है,उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता गांव-गांव जाकर किसानों को योजनाओं का लाभ दिलाने में सक्रिय भूमिका निभाएं,किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष कपिल पांडेय ने स्वागत भाषण देते हुए सभी पदाधिकारियों एवं मंडल अध्यक्ष-महामंत्रियों का स्वागत किया और संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प दिलाया।

फूलों की होली खेलकर दिया भाईचारे का संदेश

कार्यक्रम के अंत में होली मिलन के अवसर पर सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने पुष्पवर्षा कर फूलों की होली खेली और आपसी भाईचारे तथा संगठनात्मक एकता का संदेश दिया।

ये रहे मंचासीन

कार्यक्रम में मंचासीन अतिथियों में वन विकास निगम के अध्यक्ष रामसेवक पैकरा, संभागीय सह-प्रभारी प्रवीण यादव, पूर्व जिला महामंत्री राजेश महलावाला, कृषि अभियांत्रिकी प्रकल्प के प्रदेश सह-संयोजक वीरेन्द्र जायसवाल, पूर्व मीडिया प्रभारी शशिनाथ तिवारी, जिला मंत्री राजेश्वर तिवारी, किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष कपिल पांडेय,अजा मोर्चा जिलाध्यक्ष सुरेश पाटले,देवनगर मंडल अध्यक्ष अनिल साहू,भटगांव मंडल अध्यक्ष रमेश गुप्ता, भैयाथान मंडल अध्यक्ष सुनील साहू, सूरजपुर नगर मंडल अध्यक्ष अरविंद मिश्रा, पिछड़ा वर्ग जिला महामंत्री अशोक यादव, जिला महामंत्री लवकेश पैकरा, अजय अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

बड़ी संख्या में कार्यकर्ता रहे उपस्थित

कार्यक्रम में उपाध्यक्ष सत्यनारायण जायसवाल, रामनारायण यादव, अशोक गुप्ता, प्रकाश दुबे, जगमोहन सिंह, मोहन शर्मा, अनुज राजवाड़े, लालचंद शर्मा, मुकेश शर्मा, कोषाध्यक्ष मनमत बछाड़, अवधेश गुप्ता, रमेश साहू, श्यामू साहू, राकेश पाठक, रंजन सोनी, सुखदेव यादव, कैलाश राजवाड़े, रामनारायण तंवर,नारायण विश्वकर्मा, जयप्रकाश गुप्ता, प्यारे लाल साहू, कमल साय यादव, बोधन राजवाड़े, नेपाल समददार, हीराधन राजवाड़े, गयानंद राजवाड़े, नितिन तिवारी, नितेश सिंह, राम प्रताप विश्वकर्मा, अजीत गुप्ता,शिववरण नापित, सतीश पटेल सहित बड़ी संख्या में किसान मोर्चा के कार्यकर्ता और मंडल पदाधिकारी उपस्थित रहे, कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री लवकेश पैकरा और अजय अग्रवाल ने किया, जबकि जिला कोषाध्यक्ष मनमत बछाड़ ने आभार प्रदर्शन किया।

प्रधानमंत्री आवास योजना में अनियमितताओं के आरोप

अधूरे मकानों पर पूरी राशि आहरण का मामला

पक्के मकानों की छत पर बन रहे पीएम आवास जियो-टैगिंग और भुगतान प्रक्रिया पर उठे सवाल

-राजेन्द्र शर्मा-
खड़गवां,08 मार्च 2026
(घटती-घटना)।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत जिले के खड़गवां विकासखंड में बन रहे आवासों को लेकर गंभीर अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के आरोप सामने आए हैं,ग्रामीणों और स्थानीय लोगों का कहना है कि कई स्थानों पर योजना के नियमों को दरकिनार कर आवास स्वीकृत किए जा रहे हैं और अधूरे निर्माण के बावजूद पूरी राशि आहरित कर ली गई है, सूत्रों के अनुसार खड़गवां मुख्यालय में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहां पहले से पक्का मकान होने के बावजूद हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना की स्वीकृति दे दी गई। इतना ही नहीं, कई लाभार्थी अपने पुराने पक्के मकानों की छत के ऊपर ही प्रधानमंत्री आवास का निर्माण करा रहे हैं, जिससे योजना के नियमों और पात्रता पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

पक्के मकान होने के बाद भी मिली स्वीकृति- ग्रामीणों का कहना है कि प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ उन परिवारों को मिलना चाहिए जिनके पास रहने के लिए पक्का मकान नहीं है। लेकिन खड़गवां में ऐसे कई उदाहरण सामने आए हैं, जहां पहले से पक्के मकान होने के बावजूद दोबारा आवास स्वीकृत कर दिया गया, कुछ मामलों में हितग्राही के पास जमीन की कमी होने के कारण पुराने मकान की छत पर ही नए आवास का निर्माण कराया जा रहा है। अब सवाल यह उठता है कि ऐसे निर्माण कार्य योजना के नियमों के अनुरूप हैं या नहीं।

अधूरे मकानों पर भुगतान का आरोप- ग्रामीणों के मुताबिक कई स्थानों पर आवास निर्माण अधूरा पड़ा है, लेकिन संबंधित लाभार्थियों के नाम पर अधिकांश या पूरी राशि निकाल ली गई है, जानकारी के अनुसार प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत राशि किस्तों में दी जाती है,जो निर्माण की प्रगति के आधार पर जारी होती है। लेकिन आरोप है कि कुछ मामलों में जियो-टैगिंग और निरीक्षण की प्रक्रिया में लापरवाही बरतते हुए अधूरे मकानों को ही पूर्ण दिखाकर भुगतान कर दिया गया, ग्रामीणों का कहना है कि कई मकानों की दीवारें अधूरी हैं, छत नहीं डली है या प्लास्टर का काम बाकी है,इसके बावजूद पोर्टल में आवास को पूर्ण दर्शाया गया है।

कमीशन मांगने के आरोप भी लगे- कुछ हितग्राहियों ने यह भी आरोप लगाया है कि योजना की राशि जारी करने के लिए उनसे कमीशन की मांग की गई, उनका कहना है कि जब तक निर्धारित राशि नहीं दी गई, तब तक भुगतान की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ाई गई, हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है,लेकिन ग्रामीणों का कहना है कि यदि इन मामलों की निष्पक्ष जांच कराई जाए तो कई अनियमितताएं सामने आ सकती हैं।

जांच की उठी मांग-स्थानीय जनप्रतिनिधियों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने पूरे मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की है, उनका कहना है कि यदि आरोप सही पाए जाते हैं तो यह गरीब और जरूरतमंद लोगों के अधिकारों के साथ गंभीर अन्याय है, उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि सभी आवासों का भौतिक सत्यापन कराया जाए और जिन मामलों में अनियमितता पाई जाए,वहां जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

अधिकारियों ने कही जांच की बात- इस संबंध में संबंधित अधिकारियों का कहना है कि यदि कहीं भी गड़बड़ी पाई जाती है तो जिम्मेदार कर्मचारियों और संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी, उन्होंने यह भी बताया कि शिकायतों के आधार पर आवासों का पुनः भौतिक सत्यापन कराया जाएगा ताकि योजना के क्रियान्वयन में पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके।

योजना की पारदर्शिता पर सवाल- प्रधानमंत्री आवास योजना का उद्देश्य गरीब और जरूरतमंद परिवारों को पक्का मकान उपलब्ध कराना है, लेकिन यदि अधूरे भवनों पर भुगतान और पात्रता से बाहर लोगों को आवास स्वीकृति के आरोप सही साबित होते हैं, तो यह योजना की पारदर्शिता और विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है,अब देखना यह होगा कि प्रशासन इन शिकायतों को कितनी गंभीरता से लेता है और क्या वास्तव में जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाती है या नहीं।

C M Y K

घटती घटना
सत्य के साथ...जनहित में बात...

क्या कोरिया पुलिस में आदेश मानना अब वैकल्पिक है?

डीजीपी का आदेश भी बेअसर? तबादला व्यवस्था पर गंभीर सवाल

पहला आयामः डीजीपी का आदेश,ज़मीन पर विराम

26 जून 2025 को छत्तीसगढ़ पुलिस मुख्यालय,नया रायपुर अटल नगर से पुलिस महानिदेशक अरुण देव गौतम द्वारा तबादला सूची जारी हुई,सूची में स्पष्ट लिखा गया है की कोरिया जिले से उप निरीक्षक राजेश तिवारी का तबादला जिला सरगुजा,कागज़ पर तो सब कुछ बहुत अनुशासित दिखा, लेकिन नौ महीने बाद भी यदि संबंधित अधिकारी अपने नए जिले की राह नहीं पकड़ते,तो सवाल उठना लाज़िमी है की क्या आदेश केवल पढ़ने के लिए था? या जाना है,पर अभी नहीं की नीति लागू है? ऐसा प्रतीत होता है कि फाइल ने यात्रा कर ली, पर अधिकारी ने नहीं।

दूसरा आयाम : एसपी का आदेश,थाना वही

24 अक्टूबर 2025 को कोरिया पुलिस अधीक्षक ने आदेश जारी किया की पटना थाना में पदस्थ आरक्षक अमल कुजूर को रक्षित केंद्र बैकुंठपुर भेजा जाए, आदेश की भाषा सख्त थी, पर अमल में नरमी आ गई, पांच महीने बाद भी यदि कुर्सी वही और थाना वही, तो यह मान लेना चाहिए कि तबादला सूची ने केवल कागज़ का वजन बढ़ाया है।

तीसरा आयाम : नया आदेश,पुराना ठिकाना

9 फरवरी 2026 को एक और सूची आई,इस बार पटना थाना से रामायण सिंह को रक्षित केंद्र बैकुंठपुर भेजा गया, पर हालत वही- आदेश आगे बढ़ा, पर कदम नहीं, लगता है कि अब तबादला आदेश में एक नई शर्त जोड़नी पड़ेगी,यदि संबंधित कर्मचारी सहमत हों तो...

तबादला सूची जारी,पालन ठप्प - जवाबदेही कौन लेगा?
वरिष्ठ अधिकारियों के आदेश दरकिनार,अशासन पर चोट
कोरिया पुलिस में तबादला प्रक्रिया : आदेश और क्रियान्वयन के बीच की दूरी
प्रशासनिक आदेशों की प्रभावशीलता पर उठते प्रश्न
तत्काल प्रभाव से लागू आदेश : क्या व्यवस्था समयबद्ध है?

तबादला नीति,अनुशासन और जवाबदेही की पड़ताल
आदेश जारी, अमल गायब? कोरिया पुलिस में तबादलों पर उठे बड़े सवाल
डीजीपी से एसपी तक के आदेश,ज़मीन पर 'स्थिति यथावत' की चर्चा
तबादला एक्सप्रेसः टिकट कटा,ट्रेन नहीं चली!
कोरिया पुलिस में आदेशों का 'स्टे मोड' और कुर्सियों की अटूट निष्ठा

-रवि सिंह-
बैकुंठपुर/कोरिया,08 मार्च 2026 (घटती-घटना)। पुलिस विभाग में अनुशासन को रीढ़ कहा जाता है, ऊपर से आदेश आता है और नीचे तक उसका पालन होता है यही परंपरा मानी जाती है, लेकिन कोरिया जिले में हालात कुछ ऐसे नजर आ रहे हैं कि मानो आदेशों को भी वेटिंग लिस्ट में डाल दिया गया हो, कोरिया जिले में पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर इन दिनों कई स्तरों पर चर्चा है। एक ओर वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा लगातार तबादला सूचियां जारी की जा रही हैं, दूसरी ओर कुछ मामलों में उनके क्रियान्वयन को लेकर सवाल उठ रहे हैं,मुद्दा केवल स्थानांतरण का नहीं, बल्कि विभागीय अनुशासन, आदेश पालन और प्रशासनिक पारदर्शिता का बन गया है। पुलिस विभाग की साख आदेश और अनुशासन पर टिकी होती है,यदि आदेशों का पालन वैकल्पिक हो जाए,तो वर्दी की सख्ती केवल परेड तक सीमित रह जाएगी,तबादला सूची का उद्देश्य व्यवस्था में संतुलन बनाना है,न कि फाइलों में स्थायी निवास पाना,अब देखना यह है कि आदेशों की ट्रेन सच में रवाना होगी,या प्लेटफॉर्म पर ही खड़ी रहकर सीटी बजाती रहेगी,कोरिया जिले के हालिया तबादला आदेश कई स्तरों पर महत्वपूर्ण हैं, डीजीपी स्तर से लेकर एसपी स्तर तक आदेश जारी हुए हैं,अब मूल प्रश्न यह है की क्या सभी संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों ने नए पदस्थापना स्थल पर कार्यभार ग्रहण कर लिया है? यदि नहीं,तो देरी के कारण क्या हैं? प्रशासनिक व्यवस्था की मजबूती केवल आदेश जारी करने से नहीं,बल्कि उनके प्रभावी और समयबद्ध क्रियान्वयन से सिद्ध होती है,कोरिया पुलिस का यह प्रकरण अब केवल तबादले का मुद्दा नहीं, बल्कि अनुशासन और जवाबदेही की परीक्षा बन चुका है।

अनुशासन या 'एडजस्टमेंट'?

पुलिस विभाग में आदेशों की अवहेलना कोई साधारण बात नहीं होती,लेकिन यहां तो मानो एक नया प्रशासनिक मॉडल विकसित हो गया है-आदेश जारी करो,पालन पर विचार करो। वरिष्ठ अधिकारी सूची जारी करते हैं, अधीनस्थ कर्मचारी परिस्थिति का मूल्यांकन करते हैं,और फिर तय होता है कि जाना है या नहीं,पुलिस विभाग अनुशासन आधारित संरचना है,यदि वरिष्ठ अधिकारियों के आदेशों का समयबद्ध पालन नहीं होता,तो यह विभागीय नियंत्रण प्रणाली पर प्रश्नचिह्न है, यह भी संभव है कि कुछ मामलों में प्रशासनिक कारणों से कार्यभार ग्रहण में विलंब हुआ हो,या औपचारिक रिलीविंग की प्रक्रिया लंबित हो। परंतु ऐसी स्थिति में पारदर्शिता आवश्यक है।

कागज़ बनाम ज़मीन

दस्तावेज़ी तौर पर प्रक्रिया पूर्ण दिखाई देती है की आदेश जारी,वितरण सूची संलग्न,हस्ताक्षर और मुहर युक्त प्रति, तत्काल प्रभाव का उल्लेख परंतु यदि कुछ कर्मचारी पूर्व पदस्थापना स्थल पर ही कार्यरत दिखते हैं,तो यह प्रशासनिक व्यवस्था की विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा करता है,तबादला आदेश केवल स्थान परिवर्तन नहीं होता,बल्कि कार्य प्रणाली में संतुलन और पारदर्शिता का माध्यम होता है,लंबे समय तक एक ही स्थान पर पदस्थ रहने से स्थानीय समीकरण और प्रभाव बढ़ते हैं,इसलिए समय-समय पर स्थानांतरण आवश्यक माने जाते हैं।

चर्चा का दूसरा पहलू

सूत्रों के अनुसार जिन कर्मचारियों की चर्चा हो रही है,उनके कार्यकाल के दौरान विवाद और स्थानीय समीकरणों की बातें भी उठती रही हैं, ऐसे में तबादला केवल प्रशासनिक कदम नहीं,बल्कि पारदर्शिता का माध्यम भी माना जाता है,लेकिन जब आदेश ही अमल में न आएं,तो पारदर्शिता की खिड़की भी आधी बंद रह जाती है।

बड़ा सवाल

क्या प्रभाव और पहुंच अनुशासन से ऊपर हो गए हैं?
क्या अब तबादला भी पारस्परिक सहमति का विषय बन गया है?
क्या अधिकारी को पहले पूछना होगा- आपको कहां भेजें?
यदि ऐसा है, तो विभागीय व्यवस्था को नया नाम देना पड़ेगा- स्वैच्छिक स्थानांतरण योजना।

रतनपुर में सजा होली मिलन समारोह,फाग गीतों की धुन पर झूमे स्वास्थ्य मंत्री

मंत्री निवास में होली के रंग,गुलाल,फाग और उत्साह के बीच मना होली मिलन,गुलाल,गीत और भाईचारे का संदेश,मंत्री निवास में धूमधाम से मना होली मिलन समारोह,फाग गीतों से गूंजा मंत्री निवास,स्वास्थ्य मंत्री ने दी होली की शुभकामनाएं...

-संवाददाता-
खड़गवां/रतनपुर,08 मार्च 2026 (घटती-घटना)। रंगों और उल्लास के पर्व होली के अवसर पर रतनपुर स्थित स्वास्थ्य मंत्री के निज निवास में भव्य होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया, इस अवसर पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधि,भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी,पत्रकार,स्थानीय व्यवसायी,कार्यकर्ता तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन और आम नागरिक उपस्थित होकर एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दीं,पूरे कार्यक्रम में उत्साह, उमंग और भाईचारे का वातावरण देखने को मिला।
कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक होली गीतों और फाग गायन के साथ हुई। ढोलक और मंजीरे की मधुर धुनों पर गाए जा रहे फाग गीतों ने पूरे माहौल को रंगमय बना दिया, लोक संस्कृति से जुड़े इन गीतों पर उपस्थित लोग झूमते और तालियां बजाते नजर आए। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री भी फाग के पारंपरिक गीतों की धुन पर थिरकते दिखाई दिए और उन्होंने उपस्थित लोगों के साथ गुलाल उड़ाकर होली की खुशियां साझा कीं।

रंग और उल्लास से सराबोर हुआ माहौल

होली मिलन समारोह के दौरान मंत्री निवास परिसर रंगों से सराबोर नजर आया। कार्यक्रम में शामिल लोगों ने एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर गले मिलते हुए होली की बधाई दी,पारंपरिक फाग गायन और लोकधुनों के बीच लोगों ने होली के गीतों का आनंद लिया,कार्यक्रम में शामिल लोगों का कहना था कि इस तरह के आयोजन सामाजिक समरसता को मजबूत करते हैं और लोगों को एक मंच पर जोड़ने का अवसर प्रदान करते हैं।

होली प्रेम,सौहार्द और एकता का पर्व

इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि होली का पर्व प्रेम, सौहार्द और सामाजिक एकता का प्रतीक है, यह त्योहार हमें आपसी मतभेद भुलाकर एक-दूसरे के साथ मिलजुलकर रहने और समाज में सकारात्मक ऊर्जा के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है, उन्होंने कहा कि भारत की संस्कृति में त्योहारों का विशेष महत्व है और होली ऐसा पर्व है जो समाज के सभी वर्गों को जोड़ने का काम करता है।

सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना

स्वास्थ्य मंत्री ने उपस्थित सभी लोगों को होली की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए ईश्वर से प्रार्थना की कि यह पावन पर्व सभी के जीवन में सुख, समृद्धि, स्वास्थ्य और खुशहाली लेकर आए, उन्होंने कहा कि समाज में सद्भाव, सहयोग और भाईचारे की भावना हमेशा बनी रहनी चाहिए।

जनप्रतिनिधियों और नागरिकों की रही बड़ी भागीदारी

होली मिलन समारोह में क्षेत्र के कई जनप्रतिनिधि,भाजपा पदाधिकारी, पत्रकार,व्यापारी,सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे, ग्रामीण अंचलों से भी लोग कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे और सभी ने मिलकर होली का पर्व उल्लासपूर्वक मनाया, कार्यक्रम के दौरान लोगों ने एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर शुभकामनाएं दीं और पारंपरिक लोक संस्कृति के साथ होली का आनंद लिया,इस आयोजन ने क्षेत्र में आपसी प्रेम,भाईचारे और सामाजिक एकता का संदेश भी दिया।

'नारी शक्ति के सम्मान के साथ मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस'

-संवाददाता-
कोरिया,08 मार्च 2026 (घटती-घटना)।
मनेंद्रगढ़,08 मार्च 2026 (घटती-घटना)। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा सरस्वती शिशु मंदिर मनेंद्रगढ़ के सभागार में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस उत्साह और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिमा यादव रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ तथा उपस्थित जनों ने वंदे मातरम् और छत्तीसगढ़ का राजकीय गीत अरपा पैरी के धार का सामूहिक गायन किया। कार्यक्रम में महिलाओं के अधिकार,समानता और महिला सशक्तिकरण के विषय पर जानकारी दी गई। वक्ताओं ने महिलाओं की शिक्षा,जागरूकता और आत्मनिर्भरता को समाज के विकास के लिए आवश्यक बताया। इस दौरान शासन की विभिन्न महिला हितैषी योजनाओं की जानकारी दी गई तथा 31 मार्च 2029 तक छत्तीसगढ़ को बाल विवाह मुक्त बनाने का संकल्प लिया गया।

छत्तीसगढ़ शासन,जल संसाधन विभाग

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग क्र. 2, रामानुजगंज जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज,छ0ग0

ई-प्रोक्युरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal: http://egeprocurement.gov.in

निम्नलिखित कार्यों के लिये दिनांक 20.03.2026, (17.30 बजे) तक ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है -

सिस्टम निविदा क्रमांक	निविदा सूचना क्रमांक एवं दिनांक	कार्य का नाम	निविदा की लागत (लाख में)	आमंत्रण का क्रमांक
186208	17 / व.ले. लि/2025-26 दिनांक 03.03.2026	लोधीडांड (लोधी) जलाशय योजना का जीर्णोद्धार कार्य ।	287.54	द्वितीय आमंत्रण
186210	18/ व.ले.लि/2025-26 दिनांक 03.03.2026	सरना जलाशय योजना का जीर्णोद्धार कार्य ।	281.92	द्वितीय आमंत्रण

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 10.03.2026, समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोट =
1. निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकितं/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है ।
2. निविदा की अनुमानित लागत एस. ओ. आर. दिनांक 01.08.2010 (संशोधित 22.08.2022) के अनुसार है ।

जी नंबर-252607049/4

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग क्र.2,रामानुजगंज
जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)
कृते मुख्य अभियंता
हसदेव गंगा कछार,जल संसाधन विभाग
अम्बिकापुर जिला सरगुजा,छ0ग0

कार्यालय नगर पंचायत लखनपुर, जिला सरगुजा (छ.ग.)

Ph. 07774-261501 email - cmolakhanpur@gmail.com

कमांक/365/लो.नि./न.पं./2025-26 लखनपुर, दिनांक- 6/3/26

प्रथम ई-प्रोक्योरमेंट निविदा सूचना

नगर पंचायत लखनपुर में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत निविदाकारों से निर्माण कार्यों हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है -

System Tender no	Estimated Amount (Lakh)	Earnest Money Deposit	Bid Submission Start Date & Time	Bid Due Date & Time	Physical Document Submission Date & Time	Bid Open Date & Time
186797	15.98	12000/-	27/03/2026 After 17.30 PM	06/03/2026 Before 17.30PM	02/04/2026 Before 14.00 PM	02/04/2026 After 15.00 PM

टीप-
01. उपरोक्त कार्यों की निविदा की समान्य शर्तें धरोहर राशि विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दरतावेत व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https:egeprocurement.gov.in से डाउनलोड की जा सकती है।
02. विज्ञापन की प्रति https:cg.uad.gov.in में देखी जा सकती है।

लखनपुर, दिनांक 06/03/2026

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत लखनपुर
जिला सरगुजा (छ0ग0)

छत्तीसगढ़ शासन,जल संसाधन विभाग

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग क्र. 2, रामानुजगंज जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज,छ0ग0

ई-प्रोक्युरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal: http://egeprocurement.gov.in

निम्नलिखित कार्यों के लिये दिनांक 24.03.2026, (17.30 बजे) तक ऑनलाईन निविदाएँ आमंत्रित की जाती है -

सिस्टम निविदा क्रमांक	निविदा सूचना क्रमांक एवं दिनांक	कार्य का नाम	निविदा की लागत (लाख में)	आमंत्रण का क्रमांक
186213	19/व.ले. लि/2025-26 दिनांक 03.03.2026	वंशधारी नाला व्यपवर्तन योजना के वियर सह-काजवे निर्माण कार्य, 02 नग हेड स्लूस, बांया मुख्य नहर मिट्टी कार्य आर.डी. 0.00 मी. से 1740.00 मी., 02 नग व्ही. आर. बी.ए 02 नग सी. डी. एवं दांया मुख्य नहर मिट्टी कार्य, आर.डी. 0.00 मी. से 4980.00 मी. 05 नग व्ही. आर. बी., 06 नग सी.डी., 01 नग वर्टिकल फाल एवं 20 नग आउटलेट का निर्माण कार्य सहित ।	287.54	द्वितीय आमंत्रण

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 10.03.2026, समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोट -1. निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकितं/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है ।
2. निविदा की अनुमानित लागत एस. ओ. आर. दिनांक 01.08.2010 (संशोधित 22.08.2022) के अनुसार है ।

जी नंबर-252607063/2

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग क्र.2,रामानुजगंज
जिला बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)
कृते मुख्य अभियंता
हसदेव गंगा कछार,जल संसाधन विभाग
अम्बिकापुर जिला सरगुजा,छ0ग0

सहकारी बैंक में 'संरक्षण' का संदेह?

एफआईआर,निलंबन और फिर बहाली की राह...सरगुजा संभाग के तंत्र पर उठते सवाल

35.78 लाख बीमा प्रकरण...घोटाला बरकरार,कार्रवाई शून्य पर जिम्मेदार कौन?

बैंक की चुप्पी या संरक्षण?... फसल बीमा केस में बड़े अफसरों पर सवाल

एफआईआर,बर्खास्तगी और फिर क्लीन चिट,ये सहकारी तंत्र में क्या खेल?

बीमा अनियमितता प्रकरण में अपील क्यों नहीं? बैंक प्रबंधन पर सवाल

-ओंकार पाण्डेय-

सूरजपुर,08 मार्च 2026 (घटती-घटना)। सरगुजा संभाग में सहकारी बैंकिंग तंत्र एक बार फिर विवादों के केंद्र में है, मामला जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित,अंबिकापुर की भैयाथान शाखा से जुड़ा है, जहाँ पिछले कई वर्षों से वित्तीय अनियमितताओं, संदिग्ध ऋण स्वीकृतियों और फसल बीमा प्रकरणों में गड़बड़ी के आरोप सामने आते रहे हैं,आरोपों का केंद्र एक पूर्व शाखा प्रबंधक जगदीश कुशवाहा को लेकर है,जिन पर धान खरीदी,गौ पालन ऋण वितरण और कथित फसल बीमा भुगतान से जुड़े मामलों में गंभीर अनियमितताओं का आरोप लगा, एफआईआर दर्ज हुई,निलंबन आदेश जारी हुआ,लेकिन इसके बाद की कार्रवाई और बैंक की भूमिका को लेकर कई सवाल अब भी अनुत्तरित हैं।

35 लाख 78 हजार रुपये, रकम ज्यादा नहीं लगती जब सरकारी बजट की बात होती है, लेकिन जब यही राशि किसानों की फसल बीमा की हो तब हर रुपया भरोसे का प्रतीक बन जाता है,यही राशि आज सरगुजा संभाग के सहकारी तंत्र पर सबसे बड़ा सवाल बनकर खड़ी है,मामला जुड़ा है जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित,अंबिकापुर की भैयाथान शाखा से,और सुनवाई हुई संयुक्त पंजीयन सहकारी संस्था सरगुजा संभाग के समक्ष,इस पूरे घटनाक्रम में पूर्व शाखा प्रबंधक जगदीश कुशवाहा का नाम प्रमुख रूप से सामने आया, अब सवाल यह है की घोटाला हुआ था? या सिर्फ प्रक्रिया गलत थी? और अगर प्रक्रिया गलत थी,तो जिम्मेदार कौन?

अब क्या होना चाहिए?

1. बैंक अपील की स्थिति सार्वजनिक करे...
2. वसूली की जानकारी जारी करे...
3. प्रक्रिया त्रुटि के जिम्मेदार अधिकारी तय करे...
4. नई जांच की घोषणा करे (यदि आवश्यक हो)
5. किसानों के हित की सुरक्षा सुनिश्चित करे...

आपराधिक मामला अलग है...

ध्यान देने योग्य है कि विभागीय कार्रवाई शून्य होने का अर्थ यह नहीं कि आपराधिक मामला स्वतः समाप्त हो गया, यदि एफआईआर दर्ज है,तो जांच एजेंसी और न्यायालय की प्रक्रिया अलग चलेगी, लेकिन यहां भी प्रश्न है की क्या पुलिस जांच में प्रगति हुई? क्या चार्जशीट दाखिल हुई? क्या मामला लंबित है? सार्वजनिक पारदर्शिता के बिना संदेह बढ़ते हैं।

क्या बहाली संभव है?

यदि विभागीय आदेश शून्य है, तो संबंधित कर्मचारियों की सेवा स्थिति पर पुनर्विचार हो सकता है, लेकिन यह स्पष्ट होना चाहिए, क्या आपराधिक मामला लंबित रहते हुए सेवा बहाल होगी? क्या नई जांच प्रक्रिया शुरू की जाएगी? क्या वित्तीय जिम्मेदारी स्पष्ट किए बिना नियुक्ति होगी? कानूनी विशेषज्ञों का कहना है की विभागीय कार्रवाई शून्य होना अंतिम निर्णय नहीं है, बैंक चाहे तो नियमानुसार नई प्रक्रिया शुरू कर सकता है।

राजनीतिक परछाई?

जनचर्चा में यह भी कहा जा रहा है कि कार्रवाई की शुरुआत एक दौर में हुई और दूसरे दौर में कानूनी रूप से ढीली पड़ गई, हालांकि ऐसे आरोप सिद्ध नहीं हैं,लेकिन यह धारणा बनना भी तंत्र के लिए खतरे की घंटी है,यदि सिस्टम पारदर्शी हो,तो अफवाहें नहीं फैलतीं।

सहकारी बैंक की साख दांव पर...

सहकारी बैंक किसानों की रीढ़ माने जाते हैं, धान भुगतान,ऋण,बीमा सब इसी तंत्र से जुड़े हैं,यदि जांच मजबूत नहीं,प्रक्रिया त्रुटिपूर्ण, अपील अस्पष्ट,वसूली अधूरी तो नुकसान सिर्फ एक शाखा का नहीं, पूरे तंत्र का है।

मामला व्यक्ति का नहीं,व्यवस्था का है...

यह केवल जगदीश कुशवाहा या चार कर्मचारियों का मामला नहीं है, यह सहकारी बैंकिंग तंत्र की विश्वसनीयता की परीक्षा है,यदि घोटाला हुआ तो जिम्मेदार तय होना चाहिए,यदि प्रक्रिया गलत थी तो प्रक्रिया बनाने वाले पर कार्रवाई होनी चाहिए,यदि कर्मचारी निर्दोष हैं तो स्पष्ट रूप से निर्दोष घोषित होना चाहिए,लेकिन प्रक्रिया की गलती के नाम पर मामला अधर में नहीं रहना चाहिए,35.78 लाख रुपये की यह कहानी सिर्फ एक आंकड़ा नहीं यह उस विश्वास की कहानी है जो किसान बैंक में जमा करता है,और जब विश्वास हिलता है तो सिर्फ बैंक नहीं,पूरा तंत्र कटघरे में खड़ा होता है।

मामला कैसे शुरू हुआ?

वर्ष 2019-20 में किसानों की फसल बीमा राशि के वितरण में लगभग ?35.78 लाख की अनियमितता सामने आई, जांच हुई, कलेक्टर स्तर पर जांच दल गठित हुआ,रिपोर्ट में गड़बड़ी दर्ज की गई, इसके बाद एफआईआर दर्ज हुई,भारतीय दंड संहिता की गंभीर धाराएं जोड़ी गई,संबंधित कर्मचारियों को निलंबित किया गया,5 जून 2023 को सेवा समाप्ति आदेश जारी हुआ, संदेश साफ था मामला गंभीर है।

तीन साल बाद क्या बदला?

तीन साल तक कार्रवाई की प्रक्रिया चलती रही,फिर 23 जनवरी 2025 को न्यायालय में आदेश आया,विभागीय कार्रवाई शून्य घोषित, कारण? प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पूर्ण पालन नहीं हुआ,व्यक्तिगत जिम्मेदारी स्पष्ट नहीं की गई,विभागीय प्रक्रिया में त्रुटियां रहीं,ध्यान देने योग्य बात यह है कि न्यायालय ने यह नहीं कहा कि घोटाला नहीं हुआ, न ही यह कहा कि कर्मचारी निर्दोष हैं,उसने सिर्फ इतना कहा प्रक्रिया त्रुटिपूर्ण थी।

बड़ा सवालः प्रक्रिया गलत थी तो जिम्मेदार कौन?

यदि विभागीय कार्रवाई तकनीकी रूप से कमजोर थी,तो जांच रिपोर्ट तैयार करने वाला कौन था? आरोप पत्र किसने बनाया? सेवा समाप्ति का आदेश किसने अनुमोदित किया? क्या उन अधिकारियों की जवाबदेही तय हुई? यदि प्रक्रिया त्रुटिपूर्ण थी,तो सिर्फ कर्मचारियों की बहाली ही समाधान नहीं हो सकती,प्रक्रिया बनाने वाले पर भी सवाल उठना स्वाभाविक है।

बैंक की भूमिकाः क्या अपील की गई?

यहां से मामला और गंभीर हो जाता है,जब न्यायालय ने विभागीय कार्रवाई शून्य की, तब क्या बैंक ने उच्च मंच पर अपील की? यदि नहीं की तो क्यों? यदि की तो स्थिति क्या है? स्थानीय स्तर पर यह चर्चा है कि बैंक ने न्यायालय में अपना पक्ष पूरी मजबूती से प्रस्तुत नहीं किया, यदि यह सही है,तो यह केवल कानूनी चूक नहीं,किसानों के हित की अनदेखी है।

क्या सीईओ और सहकारिता तंत्र की भूमिका जांच के घेरे में?

अब सवाल बैंक प्रबंधन और सहकारिता विभाग तक पहुंच रहा है, क्या जिला सहकारी बैंक के सीईओ ने इस मामले में सख्त रुख अपनाया? क्या अपील की दिशा में ठोस पहल हुई? क्या संयुक्त आयुक्त सहकारिता और संयुक्त पंजीयन स्तर पर प्रक्रिया की त्रुटियों की समीक्षा की गई? यदि नहीं तो यह प्रशासनिक कमजोरी है,यदि हां तो सार्वजनिक जानकारी क्यों नहीं?

वसूली का क्या हुआ?

मामले की जड़ में 35.78 लाख रुपये की राशि है,यदि जांच में अनियमितता दर्ज थी,तो कितनी राशि की वसूली हुई? क्या रिकवरी नोटिस जारी हुए? क्या वित्तीय दायित्व तय किया गया? यदि विभागीय आदेश शून्य हो गया,तो क्या वसूली भी शून्य हो जाएगी? किसानों का हित सबसे ऊपर होना चाहिए,यह सिद्धांत सिर्फ भाषणों तक सीमित नहीं रह सकता।

पुसला में महिला दिवस धूमधाम से मना,वाटरशेड ऑर्गेनाइजेशन ट्रस्ट ने किया कार्यक्रम का आयोजन

-संवाददाता-

सोनहत/पुसला,08 मार्च 2026 (घटती-घटना)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर वाटरशेड ऑर्गेनाइजेशन ट्रस्ट एवं एचडीएफसी बैंक परिवर्तन के संयुक्त सहयोग से एफडीपी कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम पंचायत पुसला में महिला दिवस का भव्य आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पंचायत पुसला,मधला, कछार और काचरडांड के पंचायत प्रतिनिधियों, महिला समूह की सदस्यों और महिला प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया,कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और छत्तीसगढ़ राज्य गीत के साथ की गई। इसके बाद एफडीपी परियोजना के विजन और मिशन की जानकारी उपस्थित लोगों को दी गई। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं के अधिकार, सशक्तिकरण और समाज में उनकी भूमिका को लेकर सामूहिक चर्चा भी की गई।

सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने बांधा समां

महिला दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सांस्कृतिक गतिविधियों का भी विशेष आकर्षण रहा, ग्रामीण महिलाओं ने पारंपरिक सुआ गीत प्रस्तुत किया, वहीं स्कूली छात्राओं ने आकर्षक नृत्य प्रस्तुत कर कार्यक्रम में रंग भर दिए,इस कार्यक्रम में ग्राम पुसला, मधला और घुघरा के पंचायत प्रतिनिधि, महिला समूह की सदस्याएं, मितानिन,आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, शिक्षक तथा बड़ी संख्या में स्कूली छात्राएं शामिल हुईं।

अतिथियों का हुआ सम्मान

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि श्रीमती सुकांति सहित अन्य अतिथियों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत और सम्मान किया गया, इसके बाद वाटरशेड ऑर्गेनाइजेशन ट्रस्ट के अधिकारियों ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के महत्व,उसके इतिहास और संस्था की अब तक की विकास यात्रा के बारे में जानकारी दी,संस्था के प्रतिनिधियों ने बताया कि वाटर संस्था वर्तमान में सोनहत विकासखंड की 35 ग्राम पंचायतों में विभिन्न विकास कार्यों पर काम कर रही है, इसके अंतर्गत गरीब,पिछड़े और वंचित समुदायों के उत्थान के लिए कृषि एवं गैर-कृषि कार्य,प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन (एनआरएम),समूह आधारित आजीविका संवर्धन,किसानों के लिए प्रशिक्षण और भ्रमण कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं।

महिला सशक्तिकरण पर दिया गया जोर

कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथियों ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि समाज के विकास में महिलाओं की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है, महिलाओं को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होना चाहिए और आत्मनिर्भर बनने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

खेल प्रतियोगिताओं में महिलाओं ने लिया हिस्सा

कार्यक्रम को रोचक बनाने के लिए विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। इनमें म्यूजिकल चेयर, मटकी फोड़ और छत्तीसगढ़ी पारंपरिक लोक नृत्य शामिल थे,प्रतियोगिताओं में ग्रामीण महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विजेता एवं उपविजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया, महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं द्वारा गाए गए लोक गीत और सुआ गीत ने कार्यक्रम को और भी जीवंत बना दिया। ग्रामीण महिलाओं में कार्यक्रम को लेकर काफी उत्साह और खुशी देखने को मिली।

महिलाओं को अधिकारों के प्रति जागरूक करना उद्देश्य

संस्था के प्रतिनिधियों ने बताया कि इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना,महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना और उन्हें सामाजिक व आर्थिक रूप से सक्षम बनाना है,उन्होंने बताया कि संस्था गांवों में स्वरोजगार के अवसर, भूमि एवं जल संरक्षण,जलवायु आधारित कृषि,महिला और बच्चों के स्वास्थ्य से जुड़े कार्यक्रम,एनीमिया और कुपोषण से बचाव तथा बेहतर शिक्षा के लिए भी कार्य करेगी।

ग्रामीणों ने संस्था का जताया आभार

कार्यक्रम के दौरान पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीण महिलाओं ने संस्था का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस तरह के आयोजन से गांव की महिलाओं को नई जानकारी और प्रेरणा मिलती है, उन्होंने संस्था से भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित करते रहने की अपेक्षा जताई, कार्यक्रम में ग्राम विकास समिति के अध्यक्ष,पंच एवं अन्य ग्रामीणजन भी उपस्थित रहे,वहीं वाटरशेड ऑर्गेनाइजेशन ट्रस्ट की ओर से सुधान सरकार,राम सिंह,विजय राजवाड़े,अंजु कुमार सहित वसुंधरा सेवक तथा बड़ी संख्या में परियोजना से जुड़ी महिला हितग्राही उपस्थित रहीं, अंत में सभी अतिथियों और प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कार्यक्रम का समापन किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर रक्तदान शिविर का आयोजन

जागृति महिला मंडल ने दिया मानव सेवा का संदेश

-संवाददाता-

कोरिया/पटना,08 मार्च 2026 (घटती-घटना)। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर सामाजिक सरोकार का अनूठा उदाहरण प्रस्तुत करते हुए जागृति महिला मंडल के तत्वावधान में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पटना में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, इस आयोजन के माध्यम से महिला संगठन ने रक्तदान महादान को अपना मुख्य संदेश बनाते हुए समाज में सेवा और मानवता का भाव जगाने का प्रयास किया, महिला दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ताओं,जनप्रतिनिधियों और नागरिकों की उपस्थिति रही, कई लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों के लिए सहयोग का हाथ बढ़ाया।

समाज को मिला सकारात्मक संदेश

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित इस रक्तदान शिविर के माध्यम से महिलाओं ने यह संदेश दिया कि वे केवल परिवार की जिम्मेदारियों तक सीमित नहीं हैं, बल्कि समाज सेवा और जनकल्याण के कार्यों में भी अग्रणी भूमिका निभा रही हैं,इस आयोजन ने समाज में रक्तदान के महत्व को लेकर जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ महिलाओं की सामाजिक भागीदारी और नेतृत्व क्षमता को भी उजागर किया।

कई लोगों ने किया स्वेच्छा से रक्तदान

रक्तदान शिविर में कई लोगों ने स्वेच्छा से रक्तदान कर समाज सेवा का उदाहरण प्रस्तुत किया। रक्तदान करने वालों में व्यवसायी ओमप्रकाश सोनी, रुपेश सोनी,प्रतीक अग्रवाल,आयुष सोनी,शिक्षक आशीष जायसवाल,जीतू साहू,राजकुमार यादव और भोलू यादव प्रमुख रूप से शामिल रहे,रक्तदान करने वाले सभी लोगों को आयोजकों द्वारा सम्मानित किया गया और उनके इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा की गई।

महिला मंडल की टीम का रहा विशेष योगदान

इस आयोजन को सफल बनाने में जागृति महिला मंडल की अध्यक्ष मीरा सोनी,उपाध्यक्ष प्रमीला शर्मा,सचिव वंदना शर्मा,कोषाध्यक्ष समीक्षा गुप्ता सहित उषा धनोरिया,उषा सिंह,उर्मिला जायसवाल,चांदनी सोनी,स्मिता कुशवाहा,पूनम सोनी,नीलम पांडे,रेनू मंडल,पुष्पा सिंह और रश्मि तिवारी का विशेष योगदान रहा, कार्यक्रम का संचालन विनोद शर्मा ने किया और सभी उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया गया।

दीप प्रज्वलन से हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि और विशिष्ट अतिथियों द्वारा गणेश प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया,इसके पश्चात अतिथियों का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत और सम्मान किया गया,आयोजकों ने उपस्थित लोगों को रक्तदान के महत्व के बारे में जानकारी दी और बताया कि रक्तदान से किसी जरूरतमंद व्यक्ति की जान बचाई जा सकती है, इस अवसर पर लोगों को नियमित रूप से रक्तदान करने के लिए भी प्रेरित किया गया।

महिलाओं ने दिया समाज सेवा का संदेश

जागृति महिला मंडल की अध्यक्ष मीरा सोनी ने बताया कि हर वर्ष 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस महिलाओं की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक उपलब्धियों को सम्मान देने के उद्देश्य से मनाया जाता है,उन्होंने कहा कि इस वर्ष महिला मंडल ने महिला दिवस को समाज सेवा के साथ जोड़ने का निर्णय लिया और रक्तदान शिविर का आयोजन कर लोगों को एक सकारात्मक संदेश देने का प्रयास किया,उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है और इसके माध्यम से किसी जरूरतमंद मरीज को जीवनदान मिल सकता है। इसलिए महिलाओं ने स्वयं आगे आकर लोगों को रक्तदान के लिए प्रेरित किया।

मुख्य अतिथियों की रही उपस्थिति

इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में एसईसीएल बैकुंठपुर क्षेत्र के महाप्रबंधक बी.एन. झा उपस्थित रहे,कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथियों के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष कोरिया देवेंद्र तिवारी, पटना नगर पंचायत अध्यक्ष गायत्री सिंह, पूर्व जिला उपाध्यक्ष रविशंकर शर्मा,योगेंद्र मिश्रा सहित कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे,इसके अलावा कार्यक्रम में विनोद शर्मा, मनोज मंडल,राजेश सोनी,गोलू सोनी,शंकर सोनी,नितिन शर्मा, राजकुमार पांडे, पंडित सुरेश मिश्रा, रुपेश सोनी सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता और नागरिक उपस्थित रहे।

09 MARCH 2026 AMBIKAPUR GG NEWS PAPER1 11_Layout 2 3/8/2026 11:40 PM Page 7

पीयूष का जाना मेरे लिए बहुत पीड़ादायक था थिएटर में उनके लिए सीट रिजर्व रखूंगी : शुभांगी

छोटे पर्दे पर अंगूरी भाभी बनकर हंसाने-गुदगुदाने वाली शुभांगी अत्रे निजी जिंदगी में कई उतार-चढ़ावों से गुजरीं,मगर उन्होंने दर्शकों का मनोरंजन करना नहीं छोड़ा। पति से अलगाव,सिंगल मदर होने की चुनौतियों और फिर पति के जाने की पीड़ा के बीच उन्होंने कलाकार होने का धर्म हमेशा निभाया। दस सालों तक भाबी जी घर हैं,से जुड़ी रहने वाली शुभांगी की जगह आज भले शिल्पा शिंदे ने वापसी की है,मगर शुभांगी को कोई शिकवा नहीं है...

मेरा वो क्रेजी फैन घर तक आ पहुंचा

सभी जानते हैं कि अंगूरी भाबी का बहुत बड़ा फैन बेस हैं। शुंभागी ने अपने फैंस के बारे में बताया, 'हमने इस फिल्म की शूटिंग देहरादून और मसूरी में की, तो ऋषिकेश पास में ही है। मैं महाकाल की बहुत बड़ी भक्त हूं। हिमालय में जाकर मुझे एक अलग तरह की शांति मिलती है। हम एक दिन जब शूटिंग नहीं कर रहे थे, तो हम ऋषिकेश चले गए और वहां गंगा घाट पर जो परमार्थ मंदिर है, हम जब उसके दर्शन करने गए,तो इतनी ज्यादा भीड़ इकट्ठी हो गई कि मैं क्या कहूं? उस वक्त मेरे फैन्स ने मुझ पर खूब प्यार लुटाया। यों तो मेरे कई क्रेजी फैन्स हैं,मगर एक फैन का मैं जरूर जिक्र करना चाहूंगी, जो घर तक आ गए थे। पहले तो मैं बहुत डर गई थी, मगर फिर समझ आया कि वो मेरे प्रशंसक हैं। हुआ ये कि वो मेरे लिए ढ़ेर सारे गिफ्ट्स के साथ, प्रसाद और काला धागा लेकर आए। उन्होंने ये भी कहा कि मैम आपकी पर्सनल जिंदगी में पिछले कुछ सालों से कई उतार-चढ़ाव आए, मगर इसके बावजूद आप लोगों को हंसा रही थीं। उन्होंने मेरे लिए एक खत भी लिखा था। असल में वो समझ गए थे कि अपनी निजी जिंदगी में मैं कई चीजों से लड़ रही थी। उस दिन मैं उनके प्रेम से बहुत भावुक हो गई थी।'

दर्शक मेरी तरह शिल्पा को भी प्यार दें...

तकरीबन दस साल तक भाबी जी घर पर है मैं अंगूरी भाबी के रूप में लोगों का दिल जीतने के बाद शो से अलग होना कितना मुश्किल था? इस पर वे बोलीं, 'मेरे लिए इमोशनल था बहुत, बिलकुल भी आसान नहीं था। मुझे याद है। सीरियल सेट पर जो मंदिर है,जहां मैं रोज पूजा किया करती थी। आखिरी दिन मैं उस मंदिर में नतमस्तक होकर रो पड़ी थी। आप जब दस साल तक एक शो से जुड़े रहते हैं, तो खिड़की-दरवाजे, पेड़-पौधों,सभी से आपको प्यार हो जाता है। मेरे लिए शो से अलग होना बहुत मुश्किल था,मगर मैंने दिल को यही समझाया कि जिंदगी कभी एक जैसी नहीं रहती। आप कहीं से निकलते हैं और फिर कहीं पर कुछ नया एक्सप्लोर करते हैं। सेट पर आखिरी दिन मैंने सभी को जलेबी खिलाई।' शुभांगी के शो से अलग होने के बाद शिल्पा शिंदे की सीरियल में वापसी हुई है। शुभांगी और शिल्पा के बीच लगातार कंपेरिजन हो रहा है। इस पर शुभांगी कहती हैं, 'इस शो जैसे आइकॉनिक शो बहुत कम बनते हैं। मैं तो दर्शकों से यही कहूंगी कि जितना प्यार आपने सीजन वन को दिया, टू को भी दें। किरदार कलाकार से बड़ा होता है। जब तक मैं थी, मैंने अपनी पूरी ईमानदारी और शिद्दत से इस किरदार को अदा किया है। मुझे इस शो के रूप में एक न्यू बॉर्न बेबी मिला था। उसे पाल-पोस कर मैंने दस साल का किया। मैं उसे शिल्पा को लौटा रही हूं। शिल्पा भी इसे उसी प्यार-दुलार से बड़ा करे। दर्शक भी उन्हें और पूरी टीम को प्यार दें।'

रवि किशन जी सेट पर सभी की टांग खींचते थे...

फिल्म में रवि किशन मूल शो की कास्ट से हट कर एक नए एडिशन के रूप में नजर आए। उनके साथ काम करने के अनुभव को लेकर उनका कहना है, 'रवि जी की सबसे अच्छी बात थी कि वो बहुत एफर्टलेस अभिनय करते हैं। बहुत सारे कलाकार मेथड एक्टिंग में बिलीव करते हैं, मगर रवि जी स्विच ऑन स्विच ऑफ अभिनेता हैं। मैंने उनसे बहुत कुछ सीखा। सेट पर वे मस्ती-मजाक का माहौल बनाए रखते थे। वे हम सभी की टांग खींचते थे। उनके साथ बहुत मजा आया। मैं आगे भी उनके साथ काम करना चाहूंगी।'

थिएटर में एक सीट अपने दिवंगत पति के लिए रिजर्व रखूंगी

अपनी जिंदगी के सबसे मुश्किल दौर का जिक्र करते हुए वे कहती हैं,'पिछले तीन-चार साल मेरे लिए काफी टफ रहे। मैं बहुत प्राइवेट पर्सन रही हूं। मेरा बहुत बड़ा सर्कल नहीं है, मैं पार्टियों की शौकीन नहीं हूं। मेरे लिए मेरा घर और काम सबसे अहम रहा है,तो वो जो सेपरेशन (पति से अलगाव) वाला समय था, वो बहुत मुश्किल था। पिछले साल जब पीयूष (उनके पति) चल बसे, तो वो मेरे लिए बहुत पीड़ादायक था। (कहते-कहते वे रो पड़ती हैं) मगर मुझे यकीन है कि वे मुझे और आशी (उनकी बेटी) को आशीर्वाद देते रहेंगे। मैं पीयूष को अपनी खुशनुमा यादों में रखना चाहती हूं। हाल ही में मैं भोपाल जाऊंगी अपने मम्मी-पापा के साथ फिल्म देखने,तो एक सीट पीयूष के लिए रिजर्व रखूंगी,क्योंकि मेरे दिवंगत पति ने एक्ट्रेस बनने में मुझे बहुत सपोर्ट किया। ये मेरा खुद से वादा है कि एक सीट उनके लिए मेरी बगल में जरूर होगी।'

मेरी बेटी मेरे लिए वरदान है...

अपनी बीस साल की बेटी आशी के साथ अपनी बॉन्डिंग के बारे में वे कहती हैं, 'आज लगता है कि यंग मदर बनने के कई फायदे हैं। पहले लगता था कि ये मैं कितनी जल्दी मां बन गई, मगर अब मदरहुड खूब इंजॉय करती हूं। काम करते -करते मुझे काफी चोटें लगती रहती है, तो मेरी बेटी कल ही मुझसे कह रही थी कि मम्मा आप अभी खुद ही टॉडलर हैं। इस बार जब यूएस जा रही थी अपनी पढ़ाई के लिए, तो उसकी एक ही फिक्र थी कि मैं अपना ध्यान रखूं। वो मुझे टिप्स देती रहती है कि मैं थोड़ा सोशलाइज करूं। सच कहूं, बेटियां वरदान होती हैं।'

फिल्म 'एक्यूज्ड' में हो रही प्रतिभा रान्ता के अभिनय की तारीफ

हाल ही में ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज हुई फिल्म 'एक्यूज्ड' ने दर्शकों को सोचने पर मजबूर कर दिया है। इस फिल्म में अभिनेत्री प्रतिभा रान्ता के अभिनय की काफी तारीफ हो रही है। अपने किरदार की मानसिक जटिलताओं को समझने और उसे प्रभावी ढंग से निभाने के लिए उन्होंने खास तैयारी की, जिसके बारे में उन्होंने विस्तार से बात की। प्रतिभा रांटा ने बताया कि इस भूमिका की तैयारी उनके लिए बिल्कुल आसान नहीं थी। उन्होंने कहा कि सबसे पहले उन्होंने स्क्रिप्ट को कई बार पढ़ा, ताकि किरदार की सोच, भावनाओं और उसके भीतर चल रहे संघर्ष को गहराई से समझ सकें। उनके अनुसार, जब तक कोई कलाकार अपने किरदार को भीतर से महसूस नहीं करता, तब तक उसका अभिनय पूरी तरह प्रभावी नहीं बन पाता। यही कारण था कि उन्होंने स्क्रिप्ट रीडिंग को अपनी तैयारी का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया। उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म की निर्देशक अनुभूति कश्यप और सह-अभिनेत्री कोंकना सेन शर्मा के साथ कई वर्कशॉप्स आयोजित की गई। इन सत्रों में फिल्म के अहम दृश्यों और उनके भावनात्मक पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। प्रतिभा के मुताबिक, जब वे तीनों एक साथ बैठकर किसी सीन की बारीकियों पर बात करते थे, तो उस दृश्य से जुड़े कई सवालों के जवाब मिल जाते थे। इससे उन्हें यह समझने में मदद मिली कि कैमरे के सामने किस मानसिक स्थिति में रहकर अभिनय करना है और दृश्य को किस दिशा में आगे बढ़ाना है। प्रतिभा ने आगे बताया कि शूटिंग के दौरान सेट का माहौल काफी सहज और सहयोगपूर्ण था। कई बार कलाकार किसी सीन के दौरान नए प्रयोग भी करते थे। जब अभिनेता अपने किरदार की भावनाओं में पूरी तरह डूब जाता है, तो कई चीजें स्वाभाविक रूप से सामने आने लगती हैं। उनके मुताबिक, इम्प्रोवाइजेशन के जरिए कई दृश्य और ज्यादा प्रभावी बन गए। कुछ पल ऐसे भी आए, जब दृश्य इतने वास्तविक लगे जैसे वे किसी की असली जिंदगी का हिस्सा हों। फिल्म 'एक्यूज्ड' की कहानी एक ऐसी महिला के इर्द-गिर्द घूमती है, जिस पर यौन उत्पीड़न का आरोप लगता है। यह विषय बेहद संवेदनशील है और समाज में कई तरह की बहस को जन्म देता है। फिल्म आरोप, सच्चाई और भावनाओं के टकराव को गंभीरता से दिखाती है। इसमें कोंकणा सेन शर्मा और प्रतिभा रांटा मुख्य भूमिकाओं में नजर आती हैं। प्रतिभा रांटा का कहना है कि यह किरदार उनके लिए इसलिए भी खास था क्योंकि इसमें भावनाओं की कई परतें हैं। कभी यह पात्र मजबूत दिखाई देता है, तो कभी टूटता हुआ नजर आता है। इस तरह की भूमिका निभाने के लिए मानसिक रूप से तैयार रहना जरूरी होता है। उन्होंने बताया कि स्क्रिप्ट रीडिंग और वर्कशॉप्स ने उन्हें अपने किरदार की गहराई को समझने में सबसे ज्यादा मदद की। फिल्म 'एक्यूज्ड' फिलहाल ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफलीक्स पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध है। बता दें कि ओटीटी प्लेटफॉर्म पर इन दिनों ऐसी कहानियों को दर्शकों से ज्यादा सराहना मिल रही है, जो समाज के संवेदनशील और जटिल मुद्दों को ईमानदारी से सामने लाती हैं।

लाखों दिलों से मिले आशीर्वादों का प्रतीक है 'जलसा': अमिताभ बच्चन

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने हाल ही में अपने घर जलसा को लेकर एक भावनात्मक नोट साझा किया, जिसमें उन्होंने इसे सिर्फ एक मकान नहीं, बल्कि लाखों दिलों से मिले आशीर्वादों का प्रतीक बताया। उन्होंने लिखा कि जलसा तीन दशकों से ज्यादा समय से उनके परिवार के जीवन का आधार रहा है, जहां उनके बच्चे बड़े हुए, उनकी शादियां हुईं और अब उनके पोते-पोती भी इसी घर की गर्माहट में पल बढ़ रहे हैं। अमिताभ ने बताया कि प्रशंसकों का प्यार ही जलसा को एक खास जगह बनाता है। उन्होंने लिखा कि आज की व्यस्त दिनचर्या में जब फैंस समय निकालकर उनसे मिलने आते हैं और उनके स्वास्थ्य की कामना करते हैं, तो यह उनके लिए किसी दिव्य अनुभव जैसा लगता है। उन्होंने सभी को अपना बड़ा परिवार बताते हुए कहा कि उनका प्रेम और आशीर्वाद अमूल्य है और यही उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। अपनी ब्लॉग पोस्ट में उन्होंने जलसा को खुशियों, जश्न और साथ का प्रतीक बताते हुए कहा कि यह घर परिवार के रिश्तों, उत्सवों और जीवन की निरंतर यात्रा का साक्षी रहा है। उन्होंने इसे वह स्थान बताया जो हमेशा अपनापन और आनंद का अनुभव कराता है। उनके अनुसार, जलसा सिर्फ दीवारों से बना एक मकान नहीं बल्कि भावनाओं, यादों और वर्षों से संजोए गए स्नेह का केंद्र है। कार्य के मोर्चे पर, अमिताभ बच्चन आने वाले महीनों में कई बड़े प्रोजेक्ट्स में नजर आएंगे। इन दिनों वे हैदराबाद में बहुप्रतीक्षित साइंस-फिक्शन फिल्म कल्की 2898 एडी पार्ट 2 की शूटिंग कर रहे हैं, जिसमें वे अश्वत्थामा की भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा वे ब्रम्हास्त्र पार्ट 2, सेक्सन 84, द इंटर्न (रिमेक) और आंखें 2 जैसे कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स का भी हिस्सा हैं। अमिताभ की यह भावुक अभिव्यक्ति न केवल उनके प्रशंसकों के प्रति उनके गहरे प्रेम को दर्शाती है, बल्कि उनके परिवार और घर से जुड़े अनमोल संबंधों को भी उजागर करती है। बता दें कि मेगास्टार अमिताभ बच्चन अक्सर अपने ब्लॉग के माध्यम से प्रशंसकों से संवाद करते रहते हैं।

खेल समाचार

न्यूजीलैंड विमेंस पेसर ली ताहूहू का वनडे क्रिकेट से संन्यास

कहा...टी-20 वर्ल्ड कप अगला टारगेट

नई दिल्ली,08 मार्च 2026। न्यूजीलैंड विमेंस क्रिकेट टीम की अनुभवी तेज गेंदबाज ली ताहूहू ने वनडे क्रिकेट से संन्यास ले लिया। 35 साल की ताहूहू ने अपने 15 साल लंबे वनडे करियर पर ब्रेक लगाया। वे टी-20 क्रिकेट खेलना जारी रखेंगी, उन्होंने कहा कि उनका टारगेट इस साल जून में होने वाला वर्ल्ड कप है। न्यूजीलैंड की सबसे सफल वनडे गेंदबाज ताहूहू ने 2011 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना वनडे डेब्यू किया था। तब से वे कीवी टीम के बॉलिंग डिपार्टमेंट को लीड कर रही हैं। उन्होंने पिछले साल वनडे वर्ल्ड कप में साउथ अफ्रीका के खिलाफ अपना आखिरी वनडे खेला। इस मुकाबले में उन्होंने 9 रन देकर 1 विकेट लिया।

सपना सच होने जैसा रहा सफर

ताहूहू संन्यास की घोषणा करते हुए ताहूहू भावुक नजर आईं। उन्होंने कहा, 'व्हाइटफर्न्स के लिए वनडे खेलना हमेशा गर्व की बात रही। जब मैंने शुरुआत की थी,तो एक मैच खेलना भी बड़ी बात थी, लेकिन अपने देश के लिए 100 से ज्यादा मैच खेलना मेरे लिए सपने जैसा है। मैं इस सफर की हर याद को संजोकर रखूंगी। '

टी-20 वर्ल्ड कप बचाने पर फोकस

वनडे को अलविदा कहने के बाद अब ताहूहू का पूरा ध्यान टी-20 फॉर्मेट पर है। न्यूजीलैंड की टीम मौजूदा टी-20 वर्ल्ड चैंपियन है और इस साल जून-जुलाई में इंग्लैंड में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप में अपने खिताब को डिफेंड करने उतरेगी। ताहूहू ने कहा कि वह टीम को दोबारा चैंपियन बनाने के लिए पूरी तरह मोटिवेटेड हैं। न्यूजीलैंड के हेड कोच बेन सॉयर ने उनकी तारीफ करते हुए कहा कि ली ने वनडे क्रिकेट में गेंदबाजी के नए पैरामीटर सेट किए। उनकी स्पीड और क्रिकेट के लिए डेडिकेशन युवाओं को इंस्पायर करता रहेगा। वे इस देश में विमेंस क्रिकेटर्स के लिए रोल मॉडल हैं।

20 साल बाद टेस्ट क्रिकेट में हारी भारतीय महिला टीम

ऑस्ट्रेलिया ने 10 विकेट से हराया,कप्तान हीली का था आखिरी मैच

पर्थ,08 मार्च 2026। भारतीय महिला क्रिकेट टीम को टेस्ट में 20 साल बाद हार झेलनी पड़ी है। उसे ऑस्ट्रेलिया ने कप्तान एलिसा हीली के आखिरी मैच में 10 विकेट से हराया। इंडियन टीम को आखिरी हार 8 अगस्त 2006 को एडिलेट के मैदान पर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ही मिली है। पर्थ के WACA ग्राउंड में रविवार को मेजबानों को महज 25 रन का टारगेट मिला था, जिसे होम टीम ने सिर्फ 4.3 ओवर में बिना कोई विकेट गंवाए हासिल कर लिया। जॉर्जिया वॉल 16 और फोबी लीचफील्ड 11 रन बनाकर नाबाद लौटीं। भारतीय टीम ने 105 के स्कोर से दिन की शुरुआत की और 149 रन पर ऑलआउट हो गई। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 323 रन बनाए थे। जबकि भारतीय टीम पहली पारी में 198 रन पर ऑलआउट हो गया। ऑस्ट्रेलिया को पहली पारी के आधार पर 125 रन की बढ़त मिली। एनाबेल सदरलैंड प्लेयर ऑफ द मैच रहीं।

इंडिया ने 44 रन बनाने में गंवाए आखिरी 4 विकेट : मैच के तीसरे दिन प्रतिका रावल ने 43 रन और स्नेह राणा ने 14 रन से अपनी-अपनी पारी को आगे बढ़ाया। इन दोनों के आउट होने के बाद टीम को ऑलआउट होने में देर नहीं लगी। टीम ने आखिरी 44 रन बनाने में 4 विकेट गंवा दिए। टीम ने महज 24 रन की बढ़त मिली। ऑस्ट्रेलिया की लुसी हेमिल्टन ने 3 विकेट झटके। एनाबेल सदरलैंड, अलाना किंग और एश्ले गार्डनर ने 2-2 विकेट झटके।

प्रतिका रावल की डेब्यू टेस्ट में फिफ्टी : नंबर-3 पर बल्लेबाजी कर रही प्रतिका रावल ने अपने डेब्यू टेस्ट में फिफ्टी लगाई। उन्होंने दिन के 5वें ओवर में अलाना किंग की चौथी बॉल पर सिंगल लिया और फिफ्टी पूरी की। प्रतिका ने पहली पारी में 18 रन बनाए थे। सदरलैंड ने 129 रन बनाए : पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया टीम के 3 बल्लेबाज केवल 58 रन पर पवेलियन लौट गए थे। यहां से सदरलैंड ने पारी संभाली और एलिस पैरी के साथ मिलकर चौथे विकेट के लिए 169 गेंदों में 128 रन की साझेदारी निभाई। पैरी 116 गेंदों में 76 रन बनाकर आउट हुईं। इसके बाद सदरलैंड ने बेथ मूनी के साथ मिलकर 5वें विकेट के लिए 54 रन की साझेदारी की। सदरलैंड ने 171 बॉल पर 129 रन की पारी खेली। ऑस्ट्रेलिया ने 90.4 ओवर तक बैटिंग की।

क्रांति-दीप्ति ने 2-2 विकेट लिए : भारत की तरफ से सायली सतघरे ने 50 रन देकर 4 विकेट निकाले, जबकि क्रांति गौड़ और दीप्ति शर्मा ने 2-2 विकेट हासिल किए। स्नेह राणा और शेफाली वर्मा ने 1-1 खिलाड़ियों को पवेलियन भेजा।

अमीलिया कर ने 44 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा...जिम्बाब्वे के खिलाफ

विमेंस वनडे में 7 विकेट लिए,न्यूजीलैंड विमेंस से बेस्ट बॉलिंग परफॉर्मेंस

नई दिल्ली,08 मार्च 2026। न्यूजीलैंड विमेंस की कप्तान अमीलिया कर ने रविवार को डुनेडिन के यूनिवर्सिटी ओवल मैदान में इतिहास रच दिया। जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे वनडे में कर ने महज 34 रन देकर 7 विकेट झटके। यह न्यूजीलैंड विमेंस के लिए वनडे क्रिकेट में अब तक की बेस्ट बॉलिंग परफॉर्मेंस है। अमीलिया कर ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 7 विकेट लेकर जैकी लॉर्ड का 44 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। जैकी ने 1982 के विमेंस वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ महज 10 रन देकर 6 विकेट लिए थे। तब से कोई भी कीवी गेंदबाज एक पारी में 7 विकेट नहीं ले पाई थीं। न्यूजीलैंड की घातक गेंदबाजी के सामने जिम्बाब्वे की टीम ताश के पत्तों की तरह ढह गई। पूरी टीम 102 रन ही बना पाई। ओपनर केलिस एनध्लोवु ने 12 और विकेटकीपर मोडेस्टर मुपाचिक्वा ने 32 रन बनाकर टीम को 50 के पार पहुंचाया। वहीं औड्रे माज्विशाया ने 13 और तेंदाई माकुशा ने 12 रन बनाकर जिम्बाब्वे को किसी तरह 100 रन के पार कराया। न्यूजीलैंड के लिए मौली पेनफोल्ड ने जिम्बाब्वे के टॉप ऑर्डर को तोड़ते हुए शुरुआती 3 विकेट लिए। इसके बाद कर ने मोर्चा संभाला और एक के बाद एक 7 विकेट लेकर जिम्बाब्वे की कमर तोड़ दी। ब्री इलिंग, रोजमेरी मेयर और नेन्सी पटेल कोई विकेट नहीं ले पाईं। अमीलिया अमीलिया कर दुनिया की 7वीं ही गेंदबाज बनीं, जिन्होंने एक विमेंस वनडे में 7 विकेट लिए। इस क्लब में पाकिस्तान की साजिदा शाह,ऑस्ट्रेलिया की एलिस पेरी,अलाना किंग,शेली निशके, वेस्टइंडीज की अनीसा मोहम्मद और इंग्लैंड की जो चेम्बरलैन शामिल हैं।

न्यूजीलैंड विमेंस 103 रन का टारगेट न्यूजीलैंड विमेंस ने 16.2 ओवर में ही चेज कर लिया। कप्तान अमीलिया कर ओपनिंग करने उतरीं और 40 गेंद पर 45 रन बनाए। विकेटकीपर इजाबेला गेज 20 रन बनाकर आउट हुईं। आखिर में मैडी ग्रीन ने 27 और ब्रूक हालिडे ने 7 रन बनाकर टीम को जीत दिला दी। जिम्बाब्वे से औड्रे माज्विशाया और क्रिस्टाबेल चाटोन्ज्वा ने 1-1 विकेट लिया।

आईसीसी पर बरसे डी कॉक

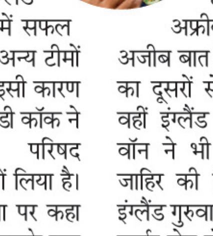

नई दिल्ली,08 मार्च 2026। मध्यपूर्व में जारी तनाव के कारण अधिकतर उड़ानें बंद होने से आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट के लिए भारत आई टीमें टूर्नामेंट से बाहर आने के बाद भी स्वदेश नहीं लौट पा रही हैं। वेस्टइंडीज टीम के बाद दक्षिण अफ्रीका भी भारत में फंसी हुई है पर इंग्लैंड टीम स्वदेश वापसी करने में सफल रही है। जिसके बाद से ही अन्य टीमों के खिलाड़ी भड़के हुए हैं। इसी कारण दक्षिण अफ्रीका के क्विंटन डी कॉक ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को आड़े हाथों लिया है। डी कॉक ने सोशल मीडिया पर कहा कि यह अजीब बात है कि उनके बाद बाहर होने वाली इंग्लैंड उनसे पहले वापस चली गयी है। वहीं वेस्टइंडीज और हमारी टीम अभी भी कोलकाता में है। डी कॉक ने सोशल मीडिया में लिखा, मजेदार आईसीसी, हमने कुछ नहीं सुना। इस बीच, इंग्लैंड किसी तरह हमसे पहले निकल गयी है। वेस्टइंडीज और दक्षिण अफ्रीका अब भी फंसी है। अजीब बात है कि अलग-अलग टीमों का दूसरों से अलग प्रभाव होता है। वहीं इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने भी इसपर अपनी नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने लिखा, 'तो इंग्लैंड गुरुवार को बाहर हो गया, आज चार्टर होम ले लो।

CMYK

बेनी का 'चक्रव्यूह' और नेताम की 'क्लीन बोल्ड' कहानी, नकली दवा कांड में कार्रवाई करने वाला ही बना निशाना?

नकली दवा कांड में बड़ा उलटफेर...कार्रवाई करने वाले संजय नेताम निलंबित,बेनी राम साहू बने रायपुर लाइसेंस अथॉरिटी!

- नकली दवा की जांच या कुर्सी की जंग? निरीक्षण दल,छुट्टी और निलंबन ने खड़े किए बड़े सवाल
- छुट्टी में निरीक्षण, खाली दुकान और निलंबन,खाद्य एवं औषधि प्रशासन में क्या पक रहा है?
- नकली दवा से ज्यादा गर्म हुई कुर्सी,नेताम हटे,बेनी राम साहू आगे—पूरा घटनाक्रम सवालों में...
- रायपुर लाइसेंस अथॉरिटी की कुर्सी,राजनीतिक पकड़ और विभागीय फैसलों पर उठते तीखे सवाल

नकली दवा कांडः कार्रवाई करने वाले संजय कुमार नेताम निलंबित, बेनी राम साहू बने रायपुर लाइसेंस अथॉरिटी-क्या यह महज संयोग है?

10 दिसंबर से 28 जनवरी तक का 'चक्रव्यूह': नेताम पर गाज,बेनी को कुर्सी—महज संयोग या सुनियोजित खेल?

न्यूज डेस्क

रायपुर,08 मार्च 2026 (घटती-घटना)। खाद्य एवं औषधि प्रशासन का दफ्तर इन दिनों किसी मेडिकल विभाग से ज्यादा राजनीतिक शतरंज का बोर्ड नजर आ रहा है,यहां मोहरे दवाइयों के नहीं, अधिकारियों के चल रहे हैं,सवाल यह है कि नकली दवाइयों पर सख्त कार्रवाई करने वाले अधिकारी संजय कुमार नेताम अचानक कैसे 'नियमों के उल्लंघनकर्ता' घोषित कर दिए गए? और क्या इसी दौरान रायपुर लाइसेंस अथॉरिटी की कुर्सी पर बेनी राम साहू की ताजपोशी महज संयोग है या एक सोचा-समझा 'चक्रव्यूह'? (नोटः यह समाचार उपलब्ध दस्तावेजों,सूत्रों और विभागीय घटनाक्रम पर आधारित है। संबंधित पक्षों का पक्ष प्राप्त होने पर प्रकाशित किया जाएगा।)

जिम्मेदारियों का पहाड़ या शक्ति का केंद्रीकरण?

बेनी राम साहू,सहायक औषधि नियंत्रक,एक ऐसे अधिकारी के रूप में चर्चित हैं जिनके पास जिम्मेदारियों की सूची इतनी लंबी है कि पढ़ते-पढ़ते ही थकान हो जाए,स्थापना,स्टोर,स्टेट लाइसेंस अथॉरिटी (होम्योपैथी मैन्युफैक्चरिंग),ब्लड बैंक कंट्रोलिंग अथॉरिटी, एनडीपीएस ड्रग्स,अस्पताल निरीक्षण,बलौदाबाजार लाइसेंस अथॉरिटी—और अंततः रायपुर लाइसेंस अथॉरिटी का बहुप्रतीक्षित प्रभार, प्रश्न यह है की क्या विभाग में अधिकारियों की ऐसी भारी कमी है कि एक ही अधिकारी 'सुपर कंट्रोलर' बन जाए? या फिर यह कुर्सियों के केंद्रीकरण की वह रणनीति है जिसमें सारी चाबियां एक ही जेब में रखी जाती हैं? राजनीतिक पृष्ठभूमि भी कम दिलचस्प नहीं। भाजपा के पूर्व विधायक परिवार से संबंध, मजबूत संगठनात्मक पकड़, ऐसे में विभागीय फैसलों की दिशा पर सवाल उठना स्वाभाविक है।

10 दिसंबर 2025: जब खेल पलटा

कहानी शुरू होती है 10 दिसंबर 2025 से,रायपुर में सहायक औषधि नियंत्रक संजय कुमार नेताम ने गोल्डन ट्रांसपोर्ट के गोदाम से नकली दवाइयों की खेप पकड़ी,यह खेप इंदौर की 'मां बिजासन ट्रेडिंग' से आई बताई गई,गंतव्य—भाटापारा की प्रेम प्रकाश एजेंसी और सारंगढ़ की सरस्वती मेडिकोज, डिब्बों पर 'सरस्वती मेडिकोज,सारंगढ़' अंकित था,मामला साधारण नहीं था यह सीधा जनस्वास्थ्य से जुड़ा अपराध था।

15 दिसंबर से 15 जनवरी तक, निरीक्षण से बाहर...फिर छुट्टी में 'अंदर'... दोस्ती की ऐसी डोज कि नियम भी हो गए बेअसर

15 दिसंबर 2025 को प्रेम प्रकाश एजेंसी,भाटापारा के निरीक्षण में ईश्वरी नारायण सिंह, नीरज साहू और राजेश सोनी शामिल थे,सैंपल लिए गए,लेकिन कार्रवाई असरदार नहीं रही,इसके बाद नीरज साहू की भूमिका पर संदेह गहराया,15 जनवरी 2026 को दोबारा निरीक्षण के लिए नई टीम बनी,इस बार नीरज साहू को निरीक्षण दल से हटा दिया गया,कागजों में वे बाहर थे और 15-16 जनवरी को वे पारिवारिक कार्यक्रम के लिए अवकाश पर भी थे,लेकिन तस्वीरों में वे फिर निरीक्षण स्थल पर दिखे ईश्वरी नारायण सिंह के साथ, बताया गया कि 'सहयोग' के नाम पर उन्हें जोड़ा गया,अब सवाल सीधा था की जिस अधिकारी पर संदेह था, जिसे टीम से हटाया गया, जो छुट्टी पर था तो फिर वह जांच स्थल पर कैसे पहुंच गया? और संयोग देखिए की जिस दिन टीम पहुंची, दुकान पहले से खाली मिली,क्या यह सिर्फ दोस्ती थी? या फिर नियमों को दरकिनार कर कोई 'सेटिंग' की पटकथा लिखी जा रही थी? नकली दवा जैसे गंभीर मामले में यदि निरीक्षण दल की संरचना ही सवालों में हो, तो कार्रवाई की विश्वसनीयता खुद-ब-खुद कठघरे में खड़ी हो जाती है,निरीक्षण दल में छुट्टी के दिन एक अधिकारी को बुलाया गया, आलोचना या फिरी प्रक्रियात्मक त्रुटि थी,पर यहां भी कार्रवाई आधी-अधूरी रही, वेतन रोका गया, पर कठोर दंड नहीं, कहा जा रहा है कि 'ईश्वरी शक्ति' कुछ लोगों को बचा रही थी और इस शक्ति का नाम फुसफुसाहटों में बेनी राम साहू बताया जा रहा है।

16 दिसंबर 2025 पहली टीम,पहला संदेह

प्रेम प्रकाश एजेंसी और सारंगढ़ की जांच के लिए टीम गठित की गई, जिसमें शामिल थे ईश्वरी नारायण सिंह,औषधि निरीक्षक,नीरज साहू,औषधि निरीक्षक,राजेश सोनी,नमूना सहायक साथ में रायगढ़ के औषधि निरीक्षक अमित राठौर और विजय राठौर, सारंगढ़ में टीम गठित हुई,जांच में लगभग 2.25 लाख रुपये की दवाइयां जब्त हुई,पर वे वही दवाइयां नहीं थीं जो ट्रांसपोर्ट में मिली थीं,विभाग असंतुष्ट रहा, यहीं से कहानी में 'गड़बड़ी की गंध' आने लगी।

20 दिसंबर 2025 दूसरी रेड, 27 लाख की जब्ती

ऊपर से आदेश आया,नई टीम भेजी गई,इस बार 27 लाख रुपये की दवाइयां जब्त हुई,मामला गंभीर हो चुका था,23 दिसंबर को स्पष्टीकरण मांगा गया,पर यहीं पर प्रशासनिक 'न्याय' की परिभाषा बदलती दिखी—कुछ अधिकारियों का वेतन रोका गया,कुछ को निलंबित कर दिया गया,सवाल यह कि एक ही प्रकरण में दंड अलग-अलग क्यों? क्या गलती का वजन अलग-अलग तराजू में तोला गया?

भाटापाराः निरीक्षण से पहले खाली दुकान

15 जनवरी 2026 को प्रेम प्रकाश एजेंसी की जांच होनी थी,टीम पहुंची—दुकान खाली मिली ना दवा, ना स्टॉक,क्या यह महज संयोग था? या फिर सूचना पहले ही लीक हो चुकी थी? यदि निरीक्षण से पहले दुकान खाली हो जाती है तो यह विभागीय विफलता नहीं, बल्कि आंतरिक सांठगांठ की ओर इशारा करता है, सवाल यह है कि सूचना किसने पहुंचाई? और क्यों?

28 जनवरी 2026 वीडियो और सीधा निलंबन

अब आते हैं कहानी के चरम पर,28 जनवरी को वही अधिकारी संजय कुमार नेताम जो ट्रांसपोर्ट से नकली दवा पकड़ चुके थे,सारंगढ़ में 27 लाख की जब्ती कर चुके थे,एक सार्वजनिक स्थान पर संबंधित व्यक्ति से बातचीत करते दिखे,वीडियो वायरल हुआ, बिना लंबा स्पष्टीकरण के सीधा निलंबन की कार्यवाही और प्रश्नों की झड़ी लग गई क्या कारण बताओ नोटिस दिया गया? क्या प्राकृतिक न्याय का सिद्धांत लागू हुआ? क्या वीडियो में स्पष्ट अपराध दिखा? यदि बातचीत सार्वजनिक स्थल पर थी, मीडिया मौजूद थी,तो इसे गुप्त साठगांठ कैसे मान लिया गया?

कुर्सी का समीकरण

और ठीक इसी दौरान—रायपुर लाइसेंस अथॉरिटी का प्रभार बदल जाता है,बेनी राम साहू को वह कुर्सी मिल जाती है जिसके लिए वे लंबे समय से प्रयासरत बताए जाते थे,तो क्या यह सब घटनाएं महज संयोग थीं? या फिर यह वही चक्रव्यूह था जिसमें अभिमन्यु की तरह नेताम फंस गए?

घटती घटना | राजधानी समाचार | अम्बिकापुर, शुक्रवार 20 फरवरी 2026 | 8

दवा थी या सिर्फ सफेद गोली? लैब ने कहा फेल, सिस्टम अब भी पास?

लैब रिपोर्ट में बड़ा खुलासा...तीनों सैंपल 'Not of Standard Quality', दवा में एक्टिव साल्ट शून्य

जब गोली में दवा नहीं,तो जिम्मेदार कौन? स्वास्थ्य खतरे में,कार्रवाई कागजों में! जनता बीमार,तंत्र बेखबर?

छत्तीसगढ़ में नकली एंटीबायोटिक का जाल: लैब रिपोर्ट में '0.0 mg' एक्टिव साल्ट,निरीक्षण से सीज तक सब दर्ज—फिर कार्रवाई कहां अटकी?

दवा के नाम पर धोखा! तीन सैंपल फेल,एक्टिव साल्ट निकला शून्य

सफेद गोली या मौत का सौदा? एंटीबायोटिक में दवा ही नहीं मिली

Form-13 की रिपोर्ट से सनसनी : मरीजों को मिली बिना दवा की दवा

जनता के स्वास्थ्य से खिलवाड़: लैब में फेल,फिर भी कार्रवाई अधूरी?

दवा में दवा नहीं: सरकारी लैब रिपोर्ट ने खोला बड़ा राज

स्टॉक जब्त, मोबाइल सीज,रिपोर्ट फेल... फिर FIR क्यों नहीं?

नकली एंटीबायोटिक का जाल छत्तीसगढ़ में — हकीकत या सिर्फ सफेद गोली?

नकली दवा का स्टोक पकड़ा गया | लैब रिपोर्ट: एक्टिव साल्ट 0.0 mg

सबक? जनता का स्वास्थ्य खतरे में, फिर भी FIR का इन्तजार

लैब रिपोर्ट '0.0 mg' का खुलासा-

नकली दवा से ज्यादा 'कंट्रोल' की चिंता?

पूरे घटनाक्रम में एक बात साफ दिखती है की नकली दवा बेचने वालों पर कार्रवाई से ज्यादा ऊर्जा विभागीय खींचतान में खर्च होती दिखी, दुकान खाली कैसे हुई? सूचना किसने दी? चेन में और कौन शामिल है? इन सवालों से ज्यादा जोर वीडियो और निलंबन पर रहा।

राजनीतिक संरक्षण की परछाई

बेनी राम साहू की राजनीतिक पृष्ठभूमि चर्चा का विषय है, जब एक अधिकारी के पास असामान्य रूप से अधिक प्रभार हों और संवेदनशील मामले के बीच अचानक बदलाव हो जाए, तो राजनीतिक संरक्षण की आशंका उठना स्वाभाविक है,हालांकि इस पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं है,पर विभाग के गलियारों में यह चर्चा जोर पकड़ चुकी है कि 'कुर्सी की जंग' में नियमों को मोहरा बनाया गया।

विभागीय न्याय या चयनात्मक सख्ती?

एक ही प्रकरण में किसी का वेतन रोका जाता है, किसी को निलंबित किया जाता है,किसी को प्रमोशन जैसा प्रभार मिल जाता है,क्या यह समानता का सिद्धांत है? या फिर विभागीय न्याय भी परिस्थितियों के अनुसार 'डोज एडजस्ट' करता है?

जनस्वास्थ्य बनाम सत्ता संतुलन

नकली दवाइयां किसी भी समाज के लिए जहर हैं, यह सीधे मरीज की जान से खेलना है,पर यहां फोकस बदलता दिखा और मरीजों की सुरक्षा से ज्यादा कुर्सियों की सुरक्षा महत्वपूर्ण नजर आई,यदि कार्रवाई करने वाला अधिकारी ही संदिग्ध बना दिया जाए, तो भविष्य में कौन जोखिम उठाएगा?

कार्रवाईः अलग-अलग दंड

स्पष्टीकरण के बाद ईश्वरी नारायण सिंह और नीरज साहू का वेतन रोका गया,अमित ठाकुर और विजय ठाकुर को निलंबित किया गया,एक ही मामले में अलग-अलग कार्रवाई ने सवाल खड़े किए।

चक्रव्यूह से बाहर कौन निकलेगा? पूरे घटनाक्रम ने कई अनुत्तरित प्रश्न छोड़ दिए हैं...

- निरीक्षण से पहले प्रेम प्रकाश एजेंसी खाली कैसे हुई?
- नीरज साहू अवकाश में रहते हुए निरीक्षण में कैसे शामिल हुए?
- अलग-अलग अधिकारियों पर अलग-अलग दंड का आधार क्या था?
- क्या संजय कुमार नेताम को प्राकृतिक न्याय के तहत पूरा अवसर दिया गया?
- प्रभार परिवर्तन का समय क्या महज प्रशासनिक संयोग था?
- सूचना लीक की जांच क्यों नहीं?
- अलग-अलग दंड का आधार क्या?
- निलंबन से पहले विस्तृत सुनवाई क्यों नहीं?
- प्रभार परिवर्तन का समय इतना सटीक कैसे?

जब तक इन सवालों का स्पष्ट और पारदर्शी उत्तर नहीं मिलता, तब तक यह मामला विभागीय फाइलों में दर्ज एक और विवाद बनकर रह जाएगा, फिलहाल इतना तय है, नकली दवा के खिलाफ छेड़ी गई जंग अब विभागीय राजनीति की भेंट चढ़ चुकी है, और यह तय करना बाकी है कि असली दोषी कौन है,दवा माफिया,विभागीय सांठगांठ या कुर्सी का आकर्षण।

पूरे घटनाक्रम के प्रमुख नाम

- **संजय कुमार नेताम** – सहायक औषधि नियंत्रक (निलंबित)
- **बेनी राम साहू** – सहायक औषधि नियंत्रक, वर्तमान रायपुर लाइसेंस अथॉरिटी
- **दीपक कुमार अग्रवाल** – नियंत्रक, खाद्य एवं औषधि प्रशासन,छत्तीसगढ़
- **ईश्वरी नारायण सिंह** – औषधि निरीक्षक (वेतन रोका)
- **नीरज साहू** – औषधि निरीक्षक (वेतन रोका)
- **राजेश सोनी** – नमूना सहायक
- **सुरेश कुमार साहू** – औषधि निरीक्षक
- **टेकचंद धीरहे** – औषधि निरीक्षक
- **अमित राठौर** –औषधि निरीक्षक,रायगढ़ (निलंबित)
- **विजय राठौर** –औषधि निरीक्षक,रायगढ़ (निलंबित)

घटती घटना | राजधानी समाचार | अम्बिकापुर, मंगलवार 17 फरवरी 2026 | 8

मौत का मेडिकल माफिया! इंदौर से छत्तीसगढ़ तक नकली दवाइयों का जाल, ट्रांसपोर्ट की आड़ में खेला जा रहा था जिंदगी से खेल?

असली जैसा रैपर, अंदर 'खाली इलाज'?

दिसंबर 2025: जब पहली बार पर्दा हटा

सिस्टम के भीतर सिस्टम: छत्तीसगढ़ में "मौत का मेडिकल नेटवर्क" बेनकाब?

FAKE

घटती घटना | राजधानी समाचार | अम्बिकापुर, शुक्रवार 27 फरवरी 2026 | 8

'दवा में दगा': छत्तीसगढ़ का 'सफेद कोट' सिंडिकेट और सिस्टम का मीठा बुखार

नकली दवा,असली संरक्षण : छत्तीसगढ़ में कौन है मास्टरमाइंड?

- बिल असली,माल नकली: भाटापारा से फैलता 'हेल्थ घोटाला'
- जांच जारी है...पर एफआईआर गायबः दवा कांड का अनकहा सच
- चार नाम, एक नेटवर्क? औषधि विभाग पर उठते गंभीर सवाल
- दवा के नाम पर धोखाः सिस्टम की सेहत ठीक, मरीज बेहाल
- सफेद कोट की सियासतः नकली दवाइयों का कथित खेल

लैब में फेल,फाइल में पासः छत्तीसगढ़ का दवा रहस्य

इलाज या इल्युज़न? नकली दवा सिंडिकेट की परतें

स्वास्थ्य से खिलवाड़: किसके संरक्षण में फल-फूल रहा दवा का कारोबार?

दवा में दगाः सफेद कोट का सिंडिकेट और सिस्टम का मीठा बुखार

चार 'अधिकारी', एक नेटवर्क?

बिल असली, माल नकली भाटापारा बना नकली दवा का हब!

FIR दर्ज क्यों नहीं मास्टरमाइंड है कौन

नकली दवा = जानलेवा खिलवाड़ जांच जारी है, जवाबदेही कब?

कड़वी सच्चाई की जरूरत

अगले अंक में...

होली के हुड़दंग में रिकॉर्ड तोड़ जाम : छत्तीसगढ़ में एक ही दिन में गटक गए 128 करोड़ की शराब,रायपुर ने बनाया नया रिकॉर्ड

रायपुर,08 मार्च 2026 (घटती-घटना)। छत्तीसगढ़ में इस बार होली की खुमारी लोगों के सिर चढ़कर बोली। रंगों के त्योहार से ठीक पहले प्रदेशवासियों ने जाम छलकाने में सारे पुराने रिकॉर्ड ध्वस्त कर दिए हैं। बता दें कि मात्र एक ही दिन के भीतर पूरे प्रदेश में करोड़ों रुपयों की शराब की बिक्री दर्ज की गई है, जिसने आबकारी विभाग को भी चकित कर दिया है। जानकारों का कहना है कि 4 मार्च को होली के अवसर पर शासन द्वारा ड्राई डे घोषित किया गया था। इसी वजह से शराब प्रेमियों के बीच स्टॉक जमा करने की होड़ मच गई। सूत्रों के अनुसार, दुकानों के बाहर लंबी कतारें दोपहर से ही लगनी शुरू हो गई थीं। आलम यह था कि शाम होते-होते कई ब्रांड्स का स्टॉक ही खत्म हो गया। मैदानी स्तर पर स्थिति ऐसी थी कि लोग झोले भर-भर कर बोतलें ले जाते दिखे। छत्तीसगढ़ में आमतौर पर रोजाना करीब 40 करोड़ रुपये की शराब बिकती है, लेकिन 3 मार्च को यह

आंकड़ा तीन गुना से भी ज्यादा बढ़कर 128 करोड़ रुपये तक जा पहुंचा। इसमें सबसे ज्यादा चमक राजधानी रायपुर में दिखी। अकेले रायपुर शहर में करीब 58 करोड़ रुपये की शराब की रिकॉर्ड तोड़ बिक्री हुई है। बिलासपुर,भिलाई और दुर्ग जैसे बड़े शहरों में भी काउंटरों पर भारी भीड़ देखी गई। बता दें कि पिछले कुछ सालों के मुकाबले इस बार की सेल ने आबकारी राजस्व में जबरदस्त इजाफा किया है। विभाग के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि होली और दिवाली जैसे त्योहारों पर मांग बढ़ती ही है।

गिरफ्तार आरोपियों का फिंगरप्रिंट करना अनिवार्य,थाना प्रभारियों को सख्त निर्देश

रायगढ़,08 मार्च 2026 (घटती-घटना)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शशि मोहन सिंह द्वारा पुलिस कंट्रोल रूम में जिले के सभी पुलिस राजपत्रित अधिकारियों, थाना-चौकी प्रभारियों तथा विभिन्न शाखा प्रभारियों की अपराध समीक्षा बैठक ली गई। बैठक के प्रारंभ में सभी शाखा प्रभारियों से वरिष्ठ कार्यालय से प्राप्त पत्राचार तथा लंबित मामलों की जानकारी ली गई और उनके शीघ्र निराकरण के संबंध में आवश्यक निर्देश दिए गए। एसएसपी सिंह ने जिले में स्थापित एमसीयू के माध्यम से सभी थानों में गिरफ्तार आरोपियों के फिंगरप्रिंट अनिवार्य रूप से दर्ज करने के निर्देश डीसीआरबी प्रभारी को दिए। लॉ सेक्शन प्रभारी को हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जवाबदावों का समय पर निराकरण करने तथा ई-समंस की शत प्रतिशत तामिली सुनिश्चित करने कहा गया। शिकायतों की

पेंडेंसी को लेकर विशेष अभियान चलाने की आवश्यकता बताते हुए उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि शिकायतों को विवेचना की तरह अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए। विशेष रूप से महिलाओं, असहाय व्यक्तियों और वृद्धों से संबंधित शिकायतों को प्राथमिकता से निराकृत करने के निर्देश देते हुए लंबित शिकायतों के निराकरण के लिए एक सप्ताह की समय सीमा निर्धारित की गई। बैठक में डायल-112 कर्मचारियों की विशेष मॉनिटरिंग के निर्देश दिए गए और समय-समय पर स्टाफ की जांच करने को कहा गया ताकि सेवा में किसी प्रकार की शिकायत सामने न आए। एसएसपी ने सीसीटीएनएस में कार्यों की एंट्री को लेकर असंतोष व्यक्त करते हुए थाना प्रभारियों को समय पर सभी एंट्री पूर्ण कराने के निर्देश दिए। इसके पश्चात थाना प्रभारियों के साथ क्राइम मीटिंग लेते हुए उन्होंने गुंडा-बदमाशों की समीक्षा कर सक्रिय अपराधियों को निगरानी में लाने तथा वृद्ध हो चुके निगरानी बदमाशों को माफी बदमाश की श्रेणी में लाने के निर्देश दिए। सक्रिय बदमाशों के विरुद्ध प्रतिबंधात्मक कार्यवाही सुनिश्चित करने को कहा गया। सभी राजपत्रित अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्र में विजुअल पुलिसिंग के तहत प्रतिदिन शाम को फुट पेट्रोलिंग करने तथा अड्डेबाजी वाले क्षेत्रों में बदमाशों की नियमित जांच-पड़ताल और कार्रवाई कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में लंबित हत्या, हत्या के प्रयास, धोखाधड़ी, पॉक्सो एक्ट तथा लूट के गंभीर मामलों की समीक्षा की गई। एसएसपी ने राजपत्रित अधिकारियों और थाना प्रभारियों से लंबित मामलों के कारणों की जानकारी लेकर उनके शीघ्र निराकरण के लिए मार्गदर्शन दिया। साथ ही जिले की कानून व्यवस्था की स्थिति पर भी विस्तार से चर्चा की गई और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)